राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 119 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, गुरूवार 26 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

एक्सिओम-4 मिशन की सफल लॉन्चिंग पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभांशु शुक्ला को बधाई

नईदिल्ली। शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाला एक्सिओम-4 मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च हो गया है। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से यह मिशन स्पेस-एक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की मदद से रवाना हुआ। भारत, अमेरिका, हंगरी और पोलैंड के कुल 4 अंतरिक्ष यात्री इस मिशन का हिस्सा हैं। ग्रुप कैप्टन शुक्ला को इस मिशन में पायलट की भूमिका मिली है। इस मिशन की लॉन्चिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम को एक्स पोस्ट में शुभकामनाएं दीं।

एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम इस अंतरिक्ष मिशन की सफल लॉन्चिंग का स्वागत करते हैं, जिसमें भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक बताया और कहा, भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय बनने की ओर बढ़ रहे हैं। यह मौका देश के लिए गर्व का क्षण है, क्योंकि 4 दशक बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पोस्ट में शुक्ला की ऐतिहासिक भूमिका की सराहना करते हुए कहा, वह अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की इच्छाएं, सपने और उम्मीदें लेकर गए हैं।

ईरान के परमाणु ठिकानों को अमेरिकी हमलों से पहुंचा भारी नुकसान

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय ने पहली बार माना है कि अमेरिका के हमलों में उसके परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माइल बाघेई ने बुधवार कहा, यह पक्का है कि हमारे परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने परमाणु केंद्रों की स्थिति और नुकसान की और अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी सेना ने अपने बी-2 स्टेल्थ बमवर्षक विमानों को भेजा था, जिन्होंने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों (नतांज, फोर्डो और इस्फहान) पर बंकर बस्टर बम गिराए थे। पहले इस तरह की कई रिपोर्ट सामने आईं थीं कि अमेरिका ने हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बहुत गंभीर नुकसान पहुंचाया है या लगभग खत्म कर दिया है। अब ईरान ने खुद माना है कि उसके परमाणु केंद्रों को भारी नुकसान हुआ है।

मुख्यमंत्री संविधान हत्या दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल : आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

लोकतंत्र को जीवित रखने जन-जागरूकता और सक्रिय भागीदारी अनिवार्य - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह अत्यंत आवश्यक है कि लोकतंत्र की हत्या के उस काले दिन को हमारी भावी पीढ़ी भी जाने, समझे और उससे सीख ले। आपातकाल के दौर को याद करते हुए भावुक हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कालखंड मेरे जीवन से गहराई से जुड़ा है। यह मेरे लिए मात्र एक घटना नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत पीड़ा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके बड़े पिताजी स्वर्गीय नरहरि प्रसाद साय आपातकाल के दौरान 19 माह तक जेल में रहे। उस समय लोकतंत्र सेनानियों के घरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी—कई बार घर में चूल्हा तक नहीं जलता था। ऐसे अनेक परिवारों को मैंने स्वयं देखा है। उन्होंने कहा कि निरंकुश सत्ता ने उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल दिया था, नागरिक अधिकार छीन लिए गए थे। वास्तव में, वह लोकतंत्र का काला दिन था, जिसका दंश हमारे परिवार ने झेला है और जिसे मैंने स्वयं जिया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र सेनानी परिवारों के सदस्यों से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया तथा शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लोकतंत्र सेनानी परिवारों को सम्मान देने का कार्य कर रही है। इन परिवारों को प्रतिमाह 10 हजार से 25 हजार रुपए तक की सम्मान राशि दी जा रही है—यह उनके संघर्ष और बलिदान को नमन करने का एक विनम्र प्रयास है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं और युवाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे आपातकाल के इतिहास को जानें, पढ़ें और समझें कि किस प्रकार उस कालखंड में संविधान को कुचला गया था। लोकतंत्र को जीवित रखने और सशक्त करने के लिए जन-जागरूकता और सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के संविधान और लोकतंत्र पर आपातकाल एक ऐसा कलंक है, जिसे इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज किया गया है। आपातकाल थोपकर न केवल संविधान को निष्क्रिय कर दिया गया, बल्कि मौलिक अधिकारों को समाप्त कर लोकतंत्र की आत्मा को कुचल दिया गया। उन्होंने कहा कि उस समय देश को एक खुली जेल में बदल दिया गया था, जिसमें भय और आतंक का वातावरण था।

राजा रघुवंशी हत्याकांडः मेघालय पुलिस को नाले से मिला सामान, हत्या से जुड़े अहम सबूत मिलने की संभावना

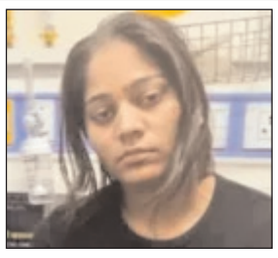

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में अहम सबूत छिपाने और उसे मिटाने के एक आरोपी की निशानदेही पर मेघालय पुलिस ने इंदौर में बुधवार को एक नाले से प्लास्टिक की थैली में बंधा हुआ सामान बरामद किया। ऐसा माना जा रहा है कि इस सामान में राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले से जुड़े अहम सबूत हो सकते हैं।

चश्मदीदों ने बताया कि स्थानीय पुलिसकर्मियों के साथ मेघालय पुलिस का दल राजा रघुवंशी हत्याकांड के मामले में गिरफ्तार 'रियल एस्टेट' कारोबारी शिलोम जेम्स के साथ शहर के पलासिया क्षेत्र के एक नाले में उतरा। उन्होंने बताया कि कुछ देर की खोजबीन के बाद इस आरोपी की निशानदेही पर नाले से प्लास्टिक की थैली में बंधा सामान बरामद किया गया। इस सामान की बरामदगी के बारे में मेघालय पुलिस का अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। क्या बोले पुलिस अधिकारी ?

हालांकि, इंदौर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्लास्टिक की थैली में एक तमंचा हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस हथियार को अन्य सामान के साथ इंदौर के उस फ्लैट से गायब किए जाने का संदेह है, जिसमें राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम उनके हत्याकांड के बाद मेघालय से फरार होने के बाद कई दिन तक रुकी थी। इससे पहले, जेम्स की निशानदेही पर मेघालय पुलिस के दल ने 22 जून को इंदौर के खाली भूखंड से एक बैग के जले हुए टुकड़े बरामद किए थे। राजा रघुवंशी हत्याकांड के अहम सबूत छिपाने और मिटाने के आरोप में जेम्स के साथ ही फ्लैट के मालिक लोकेंद्र सिंह तोमर और सुरक्षा गार्ड बलबीर अहिरवार उर्फबल्ला को भी गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों ने बताया कि तीनों आरोपी फिलहाल मेघालय पुलिस की ट्रांजिट हिरासत में हैं और उनसे इन सबूतों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

पुलिस को खाली मिला फ्लैट

सूत्रों के मुताबिक, राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद मेघालय से अपने गृहनगर इंदौर लौटी सोनम जिस फ्लैट में छिपी थी, उसे जेम्स ने हत्याकांड के आरोपियों में शामिल विशाल चौहान को किराये पर दिलाया था। जेम्स, इंदौर में रियल एस्टेट प्रबंधन की एक फर्म संचालित करता है। उसने 13 जून को खुद मीडिया के सामने आकर दावा किया था कि चौहान ने 30 मई को उससे मुलाकात करके शहर के देवास नाका क्षेत्र में 17,000 रुपये प्रति माह पर एक फ्लैट किराए पर लिया था। और चौहान ने इसके लिए अनुबंध पर दस्तखत भी किए थे। सूत्रों ने बताया कि मेघालय पुलिस जब सबूतों की तलाश में इस फ्लैट में पहुंची, तो उसे यह फ्लैट खाली मिला था।

मानसून की बौछारो के साथ खेती किसानी शुरु

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश में मानसून के साथ ही खेती किसानी का कार्य शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

प्रदेश के किसानों को अब तक 6.58 लाख मीट्रिक टन खाद और 3.68 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। राज्य में अब तक 6.04 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफसीजन में 48.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि 23 जून 2025 की स्थिति में प्रदेश में अब तक 62.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1238.7 मिमी है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ2025 के लिए प्रदेश में 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 6 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 3.68 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 74 प्रतिशत है। खरीफ वर्ष 2024 में राज्य में बीज निगम से 4.64 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया गया था। इसी प्रकार प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 14.62 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरूद्ध 11.36 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडार है ।

जापान ने 80 साल में किया पहला मिसाइल परीक्षण, मारक क्षमता 62 मील

टोक्यो (एजेंसी)। भू-राजनीतिक तनाव के बीच जापान ने 80 साल में पहली बार अपने क्षेत्र में मिसाइल का परीक्षण किया है. रिपोर्ट के मुताबिक, चीन और रूस के खतरे को देखते हुए जापानी सेना अपने सैन्य ढांचे को मजबूत कर रहा है. जापान ने पिछले मिसाइल परीक्षण अमेरिका (एक संधि सहयोगी) और ऑस्ट्रेलिया की भागीदारी में किए थे. रिपोर्ट के मुताबिक, जापान ने 24 जून को अपने सबसे उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइडो पर शिजुनाई एंटी-एयर फायरिंग रेंज में टाइप 88 सतह से जहाज पर मार करने वाली और कम दूरी की मिसाइल का परीक्षण किया.

ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पहली आर्टिलरी ब्रिगेड ने द्वीप के दक्षिणी तट से लगभग 40 किलोमीटर (24 मील) दूर बिना चालक दल वाली नाव को निशाना बनाने के लिए एक प्रशिक्षण मिसाइल का इस्तेमाल किया. जापानी सेना ने कहा कि मिसाइल परीक्षण सफल रहा और जापान की योजना रविवार तक एक और परीक्षण करने की है.

जापान का पहला घरेलू मिसाइल परीक्षण, क्षेत्रीय समुद्र में चीन की बढ़ती आक्रामक नौसैनिक गतिविधि को रोकने के लिए अधिक आत्मनिर्भर सैन्य क्षमता की ओर बढ़ने तथा जवाबी हमला करने की क्षमता हासिल करने का प्रयास माना जा रहा है.

जापान, चीन और रूस के बीच जापानी तटों के आसपास बढ़ते संयुक्त सैन्य अभ्यासों से भी चिंतित है. जापान और रूस (जो होक्काइडो का उत्तरी पड़ोसी है) के बीच क्षेत्रीय विवाद हैं.

केशोडार दर्रापारा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, प्रशासन मौन, दलाल बेखौफ

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत डोंगरी गांव के आश्रित ग्राम केशोडार के दर्रापारा क्षेत्र में वन विभाग के तार घेरा से सटे शासकीय भूमि पर धड़ल्ले से अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। यह कार्य प्रशासनिक अनदेखी और राजस्व विभाग की निष्क्रियता का प्रत्यक्ष प्रमाण बनता जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, दर्रापारा के कुछ स्थानीय निवासियों द्वारा आपसी लेनदेन के तहत शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पूर्व इस क्षेत्र में शासकीय भूमि की अवैध खरीदी-बिक्री से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें खुलेआम जमीन का सौदा होते दिखाया गया था।

राजस्व विभाग की चुप्पी बनी दलालों का संबल

राजस्व विभाग की लापरवाही और कार्यवाही के अभाव ने अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। अब तो स्थिति यह है कि शासकीय भूमि के दलाल खुलेआम लोगों को जमीन बेचने का साहस कर रहे हैं और निर्माण कार्य भी बिना रोकटोक के जारी है। इससे साफजाहिर होता है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक मशीनरी की चुप्पी ने अतिक्रमणकारियों का मनोबल बढ़ा दिया है।

वन भूमि की सुरक्षा पर उठे सवाल

दर्रापारा क्षेत्र वन विभाग के तारघेरा से लगा हुआ है, ऐसे में शासकीय भूमि पर हो रहे निर्माण से न केवल पर्यावरणीय असंतुलन की आशंका है, बल्कि यह वन अधिनियम का भी स्पष्ट उल्लंघन है। सवाल यह भी उठता है कि क्या वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को इस गतिविधि की जानकारी नहीं है, या फिर जानबूझकर नजरें मूंदी जा रही हैं? स्थानीय जागरूक नागरिकों ने इस पूरे प्रकरण पर नाराजगी जताई है और उच्च अधिकारियों से जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह अवैध कब्जा एक बड़े घोटाले का रूप ले सकता है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस गंभीर मुद्दे को संज्ञान में लेकर ठोस कदम उठाएंगे या फिर शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों को यूं ही खुली छूट मिलती रहेगी।

हमें नहीं पता कि इस आधार पर कितने लोग जेल में सड़ रहे हैं-न्यायमूर्ति विश्वनाथन

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

जमानत बांड भरने के बाद भी एक तकनीकी आधार पर रिहा नहीं किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को स्वतंत्रता को एक मूल्यवान और अनमोल अधिकार बताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह एक मुस्लिम व्यक्ति को 5 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा दे, जिस पर उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था. उसे जमानत बांड भरने के बाद भी एक तकनीकी आधार पर रिहा नहीं किया गया था. बांड भरने के 28 बाद रिहाई संभव हुई थी. न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, भगवान जानता है कि ऐसे कितने लोग जेलों में सड़ रहे हैंज% न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तकनीकी बातों पर जोर देने वाले जेल अधिकारियों के आचरण की निंदा की, जो स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है. गाजियाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को इसकी जांच करने और व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया. उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त महाधिवक्ता गरिमा प्रसाद और उत्तर प्रदेश के महानिदेशक कारागार पीसी मीना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालती कार्यवाही में शामिल हुए.

गाजियाबाद जेल के जेल अधीक्षक पीठ के समक्ष शारीरिक रूप से उपस्थित थे.

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि जब मामले और अपराधों का विवरण जमानत आदेश से स्पष्ट है, तो बेकार तकनीकी बातों और अप्रासंगिक त्रुटियों के आधार पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता से इनकार नहीं किया जा सकता. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने राज्य के वकील को स्पष्ट कर दिया कि वह उनके द्वारा दिए गए इस तर्क को स्वीकार करने के लिए उत्सुक नहीं हैं कि कैदी को रिहा नहीं किया गया क्योंकि जमानत आदेश में एक विशेष प्रावधान का उल्लेख नहीं किया गया था. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने स्वतंत्रता को एक मूल्यवान और अनमोल अधिकार बताते हुए कहा, अदालती आदेशों पर टिप्पणी करना और इस बहाने उन्हें लागू न करना तथा व्यक्ति को सलाखों के पीछे रखना कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा होगी. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने मीना से पूछा, इस बात की क्या गारंटी है कि इस कारण से कई अन्य लोग कष्ट में नहीं हैं? आदेश इसी न्यायालय द्वारा दिया गया है. आदेश में सही धारा का उल्लेख है और धारा में कई उपधाराएं होंगी. क्या आपके अनुभव में यह कोई वैध आपत्ति है. अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए आप क्या करने का प्रस्ताव रखते हैं? मीना ने पीठ को आश्वासन दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जेल अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के उपाय किए जाएंगे.

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने याचिकाकर्ता की रिहाई में 28 दिनों की देरी को दुर्भाग्यपूर्ण और बेतुका बताया. पीठ ने कहा, 28 मई की सुबह से लेकर कल शाम तक, जब उसे रिहा किया गया, स्वतंत्रता से वंचित किए जाने के इस स्वीकृत तथ्य पर हम एक तदर्थ आंकड़े पर पहुंचेंगे, जो अंतिम होगा और हम उस राशि के अनुपालन के लिए इसे शुक्रवार को रखेंगे.

याचिकाकर्ता की रिहाई में देरी की पृष्ठभूमि में, न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि स्थिति को सुधारने का एकमात्र तरीका तदर्थ मौद्रिक मुआवजे का आदेश देना है. राज्य सरकार को 5 लाख रुपये की राशि का भुगतान करने और 27 जून को अनुपालन रिपोर्ट देने का आदेश दिया. सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि जांच रिपोर्ट में अधिकारियों पर कोई जिम्मेदारी तय की जाती है, तो उनसे मुआवजा वसूला जाएगा. न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने याचिकाकर्ता की रिहाई में देरी की निंदा करते हुए कहा, हमें नहीं पता कि इस आधार पर कितने लोग जेल में सड़ रहे हैं...जबकि उसे जमानत पर रिहा करने का वैध आदेश है और उसने एक महीने बाद जमानतें पेश की हैं।

तिरुपति लड्डू प्रसाद मामले में एसआईटी का खुलासा, हुई 240 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

अमरावती (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला तिरुपति मंदिर में लड्डू प्रसाद बनाने में कथित नकली घी के इस्तमाल करने के मामले में सीबीआई ने अदालत में बड़ा खुलासा किया. सीबीआई ने कहा कि आरोपियों ने 60 लाख किलोग्राम मिलावटी घी की आपूर्ति की जिससे 240 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई. सीबीआई ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को नकली घी की आपूर्ति मामले अदालत में बड़ा खुलासा किया है. सीबीआई निदेशक की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) इस मामले की जांच कर रही है. इसमें पाया गया कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान टीटीडी को नकली घी की आपूर्ति की गई. एसआईटी ने हाईकोर्ट को बताया कि भोलेबाबा डेयरी के निदेशक आरोपी पोमिल जैन और विपिन जैन ने प्रसिद्ध लड्डू प्रसादम बनाने के लिए 60 लाख किलोग्राम मिलावटी घी की आपूर्ति करके 240 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की. एसआईटी ने खुलासा किया कि असली गाय के घी की जगह, खुशबू और बनावट की नकल करने के लिए रसायनों के साथ पाम ऑयल मिलाकर घी की आड़ में सप्लाई किया गया. उत्तराखंड से लाया गया यह नकली घी एआर डेयरी (तमिलनाडु) और वैष्णवी डेयरी (श्रीकालहस्ती) के माध्यम से टैंकरों में भरकर टीटीडी तक पहुँचाया गया. उन्हें कागजो में आधिकारिक ठेकेदार के तौर पर दिखाया गया था, जबकि भोलेबाबा डेयरी पर्दे के पीछे से काम करती थी.

एसआईटी ने खुलासा किया कि यह रैकेट तिरुमाला से भी आगे तक फैला हुआ है.

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस की समीक्षा बैठक सम्पन्नए संगठन विस्तार को लेकर बनी रणनीति

राजनांदगांव। शहर दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक मंगलवार को भरकापारा स्थित ब्लॉक कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने की। यह बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश और शहर जिला कांग्रेस प्रभारी बृजेश शर्मा व शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा हुई। ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री नीरज कन्नौज ने जानकारी दी कि प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार अब हर महीने अलग-अलग वार्डों में बैठक की जाएगी। जिन वार्डों में अध्यक्ष निष्क्रिय हैं, वहां नई नियुक्तियां की जाएगी और नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ा जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने कहा कि संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ रचनात्मक कार्यों पर भी फोकस किया जाएगा। वार्ड स्तर की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेसजन आम जनता के बीच जाकर संघर्ष करेंगे। उन्होंने भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार की विफलताओं को जनता के सामने लाने के लिए सोशल मीडिया सहित सभी उपलब्ध माध्यमों के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्लॉक कांग्रेस प्रदेश और शहर कांग्रेस द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत पूरी प्रतिबद्धता के साथ पार्टी हित और जनहित में कार्य करती रहेगी। बैठक में शहर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजू खान, वरिष्ठ नेता मामराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रकाश बाफ्ना, ब्लॉक उपाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, लख्खू रुचंदानी, महामंत्री राजेश चौहान, नीरज कन्नौज, सतीश सोनपिपरे, जोन प्रभारी अवधेश प्रजापति, खिलेश बंजारे, पार्षद अमीन हुड्डा, कमलू विक्रम नेताम, महेश यादव, तेन सिंह साहू, सागर ताम्रकार, अरशद खान, रहीम मेमन, कमल डोंगरे, ज्ञानेंद्र चंद्राकर, मोहन चुनूरकर, दुर्गेश धीवर, जीवन, प्रदीप यादव, जावेद अशरफ, सलमान, रजत समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, जनसंपर्क अभियान और आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

सक्ती जिले के हसौद थाना में लंबे समय से पदस्थ है कई पुलिस कर्मी

यहां थाना प्रभारी जल्द ही बदलते हैं मगर कांस्टेबल हेड कांस्टेबल का हैं डबल तैनाती

सक्ती// जिले के हसौद थाना इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है यहां के थाना प्रभारी तो जल्द ही बदले जाते हैं मगर यहां पर लम्बे समय से पदस्थ कई पुलिस कर्मी अभी भी जमे हुए हैं कई पुलिस कर्मी तो ऐसे हैं जिनका हसौद थाना में डबल तैनाती है और लंबे समय से भी यहां पदस्थ है लंबे समय से रहने का फायदा तो वह खूब उठा रहे हैं सूत्र कहते हैं कि हसौद थाना क्षेत्र में इन लोगों का काफी दबदबा है और कई कांस्टेबल तो ऐसे हैं जो यही सिपाही रहे और यहीं मुंशी बनकर वापस आ गए अच्छी खासी वसूली भी कर रहे हैं हसौद थाना में पदस्थ कई पुलिस कर्मी का स्थानांतरण भी हो चुका है लेकिन अपना जेक लगाकर यहीं लम्बे समय से जमे हुए है सक्ती पुलिस की वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले में संज्ञान लेते हुए लंबे समय से जमे हुए पुलिसकर्मी को यहां से स्थानांतरण करना चाहिए अब देखना यह होगा कि खबर प्रशासन के बाद विभाग कोई कार्यवाही करता है यह मामला ठंडे बस्ते में चली जायेगी।

नवोदय विद्यालय दाबो में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

मुंगेली(समय दर्शन) पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय दाबो में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। पात्र छात्र-छात्राएं 29 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। स्कूल के प्राचार्य ने बताया कि जिले के किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत छात्र, जिनका जन्म 01 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के मध्य हुआ हो तथा मुंगेली जिले का प्रमाणिक निवासी हो, वे इस परीक्षा के लिए पात्र हैं।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित

- खाद बीज की उपलब्धता, नहरों की मरम्मत एवं अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की हुई चर्चा
- कलेक्टर ने जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रोत्साहन पर दिया जोर

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2025 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में जांजगीर-चांपा विधायक श्री ब्यास कश्यप, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया, श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि, कृषक संगठन के सदस्य, कृषकगण सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में समिति के सचिव कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर के द्वारा बांध में जल उपलब्धता की जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत जांजगीर चाम्पा, सक्ती, कोरबा एवं रायगढ़ जिले के 2,47,400 हेक्टेयर में खरीफ सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बांध में 25.39 प्रतिशत पानी उपलब्ध है, जिस कारण नहर में पानी छोड़ने का तिथि का निर्णय किया जाना संभव नहीं है, अतएव बांध में न्यूनतम 40 प्रतिशत पानी का भराव होने के बाद ही नहर में पानी छोड़ा जाना उचित होगा। कलेक्टर श्री महोबे द्वारा समिति से चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय कर बांध में 40 प्रतिशत का भराव होने के बाद ही नहर से पानी छोड़े जाने का निर्णय लिया गया।

कलेक्टर ने कहा कि जल का प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रयासों में जनभागीदारी को बढ़ावा देने कहा। कलेक्टर ने किसानों की आय बढ़ाने, जैविक खेती, अधिक लाभ दायक फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने एवं प्रशिक्षण देने कहा। कलेक्टर ने उपसंचालक कृषि, सहकारी बैंक, बीज निगम के अधिकारियों को खाद बीज एवं कीटनाशक दवाईयों की आवश्यकता अनुसार भण्डारण करने तथा समय पर किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर छायाचित्र प्रदर्शनी एवं सम्मान समारोह

- सांसद रूपकुमारी चौधरी ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन
- मीसा बंदियों व उनके परिजनों का किया गया सम्मान

महासमुन्द (समय दर्शन) आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'आपातकाल स्मृति दिवस' (संविधान हत्या दिवस) के तहत छाया चित्र प्रदर्शनी एवं मीसा बंदियों व उनके परिजनों के सम्मान समारोह का आयोजन महासमुंद जिला पंचायत परिसर में किया गया। इस अवसर पर आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी में आपातकाल कालखंड के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों, जनआंदोलनों, सेंसरशिप, और लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए संघर्षों को दर्शाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय था, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह दिवस हमें लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की महत्ता का पुन: स्मरण कराता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान की रक्षा और लोकतंत्र की मजबूती के लिए सदैव सजग रहें। उन्होंने इस दौरान मीसा बंदियों व उनके परिजनों का सम्मान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल,कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, डीएफओ श्री मयंक पांडे, जिला पंचायत सीईओ श्री एस. आलोक,अपर कलेक्टर रवि साहू, जनप्रतिनिधिगण, जिला स्तरीय अधिकारीगण, कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से उस कालखंड की घटनाओं को गंभीरता से देखा और लोकतंत्र की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर भाजपा का लोकतंत्र बचाओ संदेश,स्कूली बच्चों संग निकाली गई तिरंगा यात्रा ;विधायक रोहित साहू बोले – 'संविधान की रक्षा हमारी जिम्मेदारी'

गरियाबंद (समय दर्शन)। आपातकाल की 50वीं बरसी पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुधवार को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में एक विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें गरियाबंद विधायक रोहित साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्रकार सहित सैकड़ों बच्चे और कार्यकर्ता शामिल हुए।तिरंगा यात्रा गांधी मैदान से प्रारंभ होकर तहसील रोड, बस स्टैंड और गौरव पथ होते हुए पुन: गांधी मैदान में समाप्त हुई।यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे गूंजते रहे। बच्चों ने हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति गीतों पर कदम मिलाए। विधायक रोहित साहू ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर सबसे काला धब्बा था। इसे याद करना इसलिए जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ी जान सके कि लोकतंत्र की कीमत क्या है। आज की तिरंगा यात्रा के माध्यम से हमने बच्चों को यह संदेश देने का प्रयास किया कि देश का संविधान, स्वतंत्रता और अधिकार कितने महत्वपूर्ण हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्रकार ने भी आपातकाल को लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए कहा कि यह देश के इतिहास का एक दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय था जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।इस आयोजन के माध्यम से न केवल आपातकाल के दिनों को याद किया गया,बल्कि आने वाली पीढ़ी को लोकतंत्र और संविधान के प्रति सजग और जागरूक बनाने का प्रयास भी किया गया।

केशोडार दर्रापारा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण, प्रशासन मौन, दलाल बेखौफ

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत डोंगरी गांव के आश्रित ग्राम केशोडार के दर्रापारा क्षेत्र में वन विभाग के तार घेरा से सटे शासकीय भूमि पर धड़ल्ले से अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है।यह कार्य प्रशासनिक अनदेखी और राजस्व विभाग की निष्क्रियता का प्रत्यक्ष प्रमाण बनता जा रहा है।मिली जानकारी के अनुसार, दर्रापारा के कुछ स्थानीय निवासियों द्वारा आपसी लेनदेन के तहत शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पूर्व इस क्षेत्र में शासकीय भूमि की अवैध खरीदी-बिक्री से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें खुलेआम जमीन का सौदा होते दिखाया गया था।

राजस्व विभाग की चुप्पी बनी दलालों का संबल- राजस्व विभाग की लापरवाही और कार्यवाही के अभाव ने अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। अब तो स्थिति यह है कि शासकीय भूमि के दलाल खुलेआम लोगों को जमीन बेचने का साहस कर रहे हैं और निर्माण कार्य भी बिना रोकटोक के जारी है।इससे साफजाहिर होता है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक मशीनरी की चुप्पी ने अतिक्रमणकारियों का मनोबल बढ़ा दिया है।

वन भूमि की सुरक्षा पर उठे सवाल,- दर्रापारा क्षेत्र वन विभाग के तारघेरा से लगा हुआ है, ऐसे में शासकीय भूमि पर हो रहे निर्माण से न केवल पर्यावरणीय असंतुलन की आशंका है,बल्कि यह वन अधिनियम का भी स्पष्ट उल्लंघन है। सवाल यह भी उठता है कि क्या वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को इस गतिविधि की जानकारी नहीं है,या फिर जानबूझकर नजरें मूंदी जा रही हैं?स्थानीय जागरूक नागरिकों ने इस पूरे प्रकरण पर नाराजगी जताई है और उच्च अधिकारियों से जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह अवैध कब्जा एक बड़े घोटाले का रूप ले सकता है।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या जिला प्रशासन और राजस्व विभाग इस गंभीर मुद्दे को संज्ञान में लेकर ठोस कदम उठाएंगे या फिर शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों को यूं ही खुली छूट मिलती रहेगी।

840 नशीली टैबलेट के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा नशीली दवाइयां के विरुद्ध सख्त एवं कड़ी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र में मुखबिर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किया गया था।जो 25 जून को जरिये मुखबिर सूचना मिला कि एक व्यक्ति झरिया बाहरा तिराहा 130 सी मेनरोड के पास में अपने मोटर सायकल स्प्लेण्डर प्लस हीरो कंपनी का क्रं0 सीजी 23 एन 5056 काला रंग का अपने कब्जे में पीला रंग का शैला में अवैध रूप से नशीली दवाई टैबलेट रखकर के बिक्री हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा था। मुखबिर द्वारा बताए गए सूचना के आधार पर थाने से हमारा स्टाफ रवाना होकर मुखबिर द्वारा बताए गए पुलिया के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति का अपना पता पूछने पर अपना नाम ओमकार ऊर्फ रिंकु सोनवानी पिता लच्छींदर सोनवानी उम्र 32 साल साकिन गोलामाल देवभोग

लैबोरेटरिक्स 1एमएल 30एमजी क्रहह 5912 एमएफजी 02/22 ?क्स्प 01/2025 वजन 15.6एमजी, एमआरपी 24.24 कुल किमती 145.44 पैसे,कोफ्यूरेक्स 100एमएल एमएफजी 04/2025 ?क्स्प 03/2027 वजन 1.800एमजी एमआरपी 172रु, टेबलेट कुल जुमला वजन 185.65एमजी तथा आरोपी के द्वारा उपयोग में लाये हुये पुरानी इस्तेमाली रेडमी कंपनी का मोबाईल काला रंग का कीमती 8,000 रुपया व पुरानी मोटर सायकल किमती 30000 जूमला कीमती 44,702 रु. को गवाह के समक्ष विधिवत जप्त किया गया है। आरोपी कृत्य अपराध धारा 22(ख) एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में दिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी को विधिवत समक्ष गवाहन के गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजी जा रही है।

सागरपाली मेन रोड गड्ढे मे तब्दील

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के ग्राम सागरपाली का मेन रोड, सरायपाली से सरसीवां को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग काफी जर्जर हो चुका है । गड्ढे मे सड़क है या सड़क मे गड्ढे, इस पीड़ा को आम जानता ही समझ सकता है? अफसरशाही ने मंत्री के आदेश, विधायक के निवेदन को ठेंगा दिखाया है। इलाके मे संवेदन हीन अफसरशाही का पर्याय है सरायपाली से सरसींवा मार्ग पर स्थित ग्राम सागरपाली के बस स्टैण्ड व जंक्शन का बेहाल होना।

आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो के लिए यह व्यवसायिक केन्द्र है। शिक्षा व चिकित्सा क्षेत्र का केंद्र बिंदु भी है । लगभग सवा किलोमीटर लंबे व घने बसे इस ग्राम के मध्य से ही मुख्य सड़क जाती है । सागरपाली चौक से सड़क किनारे बने स्वागत द्वार तक लगभग 1000 मीटर की सड़कें अत्यंत जर्जर व बड़े बड़े गड्ढों में बदल चुके है । इतने बड़े गड्ढे बन गए है कि इन गड्ढों में रोज बरोज दुर्घटनाघट रही है ।

छुट पुट बारिश में ही इन गड्ढों में इतना भारी भर चुका है कि यहाँ दोपहिया वाहने रोज फंस रही है।

विधायक चातुरी नन्द द्वारा लोक निर्माण के अधिकारियों को पत्र लिखकर इस जर्जर मार्ग के निर्माण व मरम्मत किये जाने हेतु पत्र भी लिखा गया

था। निर्धारित समय के भीतर यदि सड़क नही बनी तो धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी के बाद काम चलाऊ सड़क की मरम्मत कर दी गई थी ।

राज्य के वित्त मंत्री ओ .पी चौधरी के ग्राम प्रवास के दौरान ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों द्वारा समस्याओ से अवगत कराया गया था । मंत्री ने आश्वासन भी दिया था किंतु इसके बावजूद आज तक इस सड़क का निर्माण नही हो सका ।

ज्ञातव्य हो कि ओडिशा सीमा से लगे ग्राम सिरपुर से सरायपाली ,सरसीवां व हसौद तक करीब 71 किलोमीटर सडक का निर्माण एडीबीपी निर्माण एजेंसी द्वारा द्वारा कराया गया था। निर्माण किये जाने के बाद उचित रखरखाव के अभाव में सडक लगभग सभी स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त होने लगी। जगह जगह गड्ढों के कारण आवागमन भी काफी मुश्किलों भरा हो गया है।

इस संबंध में पूर्व सरपंच कालिन्द्री मुन्ना अग्रवाल ने बताया कि विगत वर्ष कांशीपाली से बिछिया तक करीब 6 किमी एवं इस वर्ष डोंगरीपाली से माता नाला तक करीब 2 किलोमीटर का मरम्मत कार्य कराया गया। पूरे सडक का निर्माण कार्य दो-तीन वर्ष पहले ही कराया गया था।

लेकिन घटिया निर्माण व ठेकेदार व अधिकारियों की लापरवाही से यह अधिक दिनों तक नही चल पाया व जल्द पुन: मरम्मत कराने की आवश्यकता पड रही है।

सरायपाली सरसीवां मार्ग से गुजरने वाले लोगों के लिए यह जर्जर सडक एक तरह से सागरपाली की पहचान बन चुकी है।

वहीं सरसीवां मार्ग पर जगह-जगह डामर की परतें उखड़ने से गड्ढे बन रहे हैं, जिससे आवागमन भी बाधित हो रहा है।

सागरपाली के पास तो सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जमदरहा मोड़ से लेकर दुर्गापाली मोड़ तक बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गए हैं । इन गड्ढों में बरसात का पानी भरने से मुख्य सड़क डबरी में तब्दील हो गई है।

इधर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा खराब हो रही सड़क की मरम्मत किये जाने में बड़ी लापरवाही बरती जा रही है । मंत्री , विधायक , सत्ताधारी पार्टी के प्रतिनिधियों द्वारा जानकारी दिए जाने के बावजूद न सड़क बन रही है न ही मरम्मत कार्य किये जा रहे है ।

अधिकारीयो ने बताया कि, ग्राम पंचायत सागरपाली के रिहायशी इलाके से निकलने वाली निस्तारी के पानी का बाहर निकलने के लिए नाली की उचित व्यवस्था नहीं होने व पानी का जमाव इस मुख्य मार्ग के आजू बाजू ठहराव होने के कारण सड़क खराब हो रहे है ।

SAIL, बैंकों एवं मंत्रालयों के प्रतिनिधियों से हुई विस्तृत चर्चा

प्राक्कलन समिति के अध्ययन दौरे पर मुंबई पहुंचे सांसद बृजमोहन

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर सांसद व संसद की प्राक्कलन समिति के सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को समिति के अध्ययन दौरे के तहत मुंबई में कई महत्वपूर्ण बैठकों और स्थलीय निरीक्षणों में भाग लिया। इस दौरान समिति अध्यक्ष संजय जायसवाल, सांसद नवीन जिंदल समेत अन्य सदस्य, विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इसकी सहायक कंपनियों के कार्य संचालन की समीक्षा विषय पर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), इस्पात मंत्रालय और महाराष्ट्र राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अनौपचारिक चर्चा की। चर्चा में सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की वर्तमान कार्यप्रणाली, उत्पादन क्षमता, आर्थिक स्थिति और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अग्रवाल ने इस दौरान सुझाव दिया कि देश के औद्योगिक विकास के लिए इस्पात क्षेत्र की पारदर्शिता, उत्पादन दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता को और अधिक मजबूत करना आवश्यक है। इसके अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा भारी उद्योग क्षेत्र के संवर्धन में बैंकों की भूमिका विषय पर आयोजित बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों के साथ वित्त मंत्रालय (वित्तीय सेवा विभाग), एमएसएमई मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय तथा महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों से संवाद किया गया। सांसद अग्रवाल ने एमएसएमई सेक्टर को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि इसके विकास हेतु वित्तीय संस्थाओं की सक्रिय और सहानुभूतिपूर्ण भूमिका अनिवार्य है। उन्होंने बैंकों से कहा कि एमएसएमई इकाइयों को ऋण देने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए और उन्हें तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाए। अपने दौरे के दौरान बृजमोहन अग्रवाल और अन्य सदस्यों ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की रिफाइनरी का भी भ्रमण किया, जहां उन्होंने रिफाइनरी की उत्पादन प्रक्रिया, सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय संरक्षण के उपायों की समीक्षा की। उन्होंने बीपीसीएल द्वारा अपनाए जा रहे नवीनतम तकनीकी समाधानों की सराहना की और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में उनके प्रयासों को सराहनीय बताया। इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि प्राक्कलन समिति का उद्देश्य केवल बजट व्ययों की समीक्षा नहीं, बल्कि संसाधनों के कुशल उपयोग, पारदर्शिता और जनहित की योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित करना भी है।

संक्षिप्त समाचार

'काशी के कोतवाल' काल भैरव के दरबार पहुंचे सीएम साय

रायपुर (समय दर्शन)। देवों के अधिदेव भगवान शंकर की पावन नगरी काशी में स्थित 'काशी के कोतवाल' श्री काल भैरव जी महाराज के दिव्य मंदिर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और देश के कल्याण हेतु प्रार्थना की। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने बाबा काल भैरव की विधिवत आराधना की और संपूर्ण राष्ट्र के लिए मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि बाबा भैरवनाथ की कृपा समस्त देशवासियों पर निरंतर बनी रहे, यही मेरी प्रार्थना है। उन्होंने देश के नागरिकों के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और कल्याण के प्रकाश के निरंतर प्रवाह की कामना भी की। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य की शांति, विकास और जनकल्याण की दिशा में अग्रसर यात्रा के लिए बाबा काल भैरव जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ईश्वर की कृपा से प्रदेश और देश में सुशासन और समृद्धि का मार्ग और अधिक सुदृढ़ होगा।

हरित ऊर्जा की दिशा में नवीन पहल करने प्रोत्साहित किया जाए

गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा सीबीजी जागरूकता बैठक सम्पन्न

रायपुर (समय दर्शन)। गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा सतत् योजना के अंतर्गत कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG) पर आधारित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नया रायपुर के निजी होटल में किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य CBG-CGD सिंक्रो स्कीम एवं छत्तीसगढ़ में CBG संयंत्र स्थापना के प्रति उद्यमियों को जागरूक करना रहा। इस संवाद के माध्यम से उद्यमियों को हरित ऊर्जा की दिशा में पहल करने और राज्य में टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर गेल इंडिया लिमिटेड तथा भारत सरकार के अधिकारियों ने CBG नीतियों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में सीबीडीए (CBDA) के सीईओ सुमित सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित सीबीजी परियोजनाओं की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राज्य में सीबीजी निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति के अंतर्गत CBG परियोजनाओं को दिए जा रहे विशेष प्रोत्साहन एवं कर छूट की जानकारी भी साझा की। बैठक में गेल इंडिया लिमिटेड वरिष्ठ अधिकारी सीजीएम रंजन कुमार एवं मो. नजीब कुरैशी सहित कई उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर (समय दर्शन)। अलग-अलग थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सिवनी निवासी डिगेश्वर टंडन 23 वर्ष ने मुजगहन थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आंगन में खड़ी बाइक सीजी 04 एनडी 1806 को पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में कचना निवासी हितेन्द्र कुमार कर्नल 37 वर्ष ने विधानसभा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एमएम 0472 को आमासिवनी शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। तेलीबांधा पुलिस ने चाकू लहराते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा पुलिस को सूचना मिली कि गंगा नगर देवार बस्ती में एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी मोहन साहू 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों से मिले अमित शाह, बोले -अब हाथों में किताबें हैं, बंदूकें नहीं

रायपुर (समय दर्शन)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इन दिनों छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने रायपुर में नक्सल प्रभावित इलाकों से आए बच्चों और युवाओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिन मासूम बच्चों के हाथों में कभी नक्सलियों ने बंदूकें थमा दी थीं, आज उनके हाथों में किताबें देकर उनका भविष्य संवारा जा रहा है। श्री शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, छत्तीसगढ़ सरकार की 'लियोर ओयना' योजना के अंतर्गत बीजापुर जिले के उसूर और गंगालूर ब्लॉक से आए युवाओं से रायपुर में मिलकर बेहद खुशी हुई। यह योजना बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मविश्वास बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल इन बच्चों को बेहतर भविष्य की ओर ले जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय सिम फर्जीवाड़ा गिरोह का भंडाफोड़, 11 आरोपित गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर रेंज पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन साइबर शील्ड' के तहत अंतरराष्ट्रीय सिम फर्जीवाड़ा गिरोह का पर्दाफाश करते हुए राजस्थान, मध्यप्रदेश, रायपुर, दुर्ग और धमतरी से 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी फर्जी सिम कार्ड, म्यूल अकाउंट, और साइबर धोखाधड़ी के मामलों में शामिल थे। इन सिम कार्ड्स का उपयोग यूएई, श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों में किया जा रहा था, जिससे अंतरराष्ट्रीय साइबर नेटवर्क से इनके संबंध की आशंका को बल मिला है।

अब तक की कार्रवाई में 7000+ फर्जी सिम कार्ड और 590 मोबाइल नंबर की पहचान कर सभी को डिएक्टिवेट करने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

फर्जी सिम चालू करने का तरीका: गिरफ्तार आरोपित ई-केवाईसी और डी-केवाईसी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर सिम कार्ड एक्टिवेट कर रहे थे:

डबल थंब स्कैन और आई ब्लिंक तकनीक से फर्जी ई-केवाईसी करते थे।

ग्राहक के आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी से बिना ग्राहक की जानकारी के अतिरिक्त सिम एक्टिवेट कर साइबर अपराधियों को बेच देते थे।

इन सिम कार्ड्स का इस्तेमाल मनी म्यूल अकाउंट, ऑनलाइन फ्रॉड और टेलीग्राम जैसे माध्यमों में किया जा रहा था।

गिरफ्तार आरोपित:

नितेश शर्मा - करौली, राजस्थान

पीयूष पांडे - सतना, मध्यप्रदेश

हरविंदर भाटिया - दुर्ग

दिलावर सिंह संधू - भिलाई, दुर्ग

उदय राम यदु - चंगोराभाठा, रायपुर

आशीष कलवानी - पुरानी बस्ती, रायपुर

चंदन सिंह - भनपुरी, रायपुर

सचिन गिरी - मोवा, रायपुर

वैभव साहू - दुर्ग

सूरज मारकण्डे - कुरूद, धमतरी

अतहर नवाज - मठपुरैना, रायपुर

आगे की कार्रवाई: इंटरनेशनल साइबर लिंक की जांच के लिए केंद्रीय एजेंसियों से संपर्क। सभी आरोपितों से विस्तृत पूछताछ जारी। मनी ट्रेल और साइबर नेटवर्क की गहराई से जांच की जा रही है। रायपुर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत ऐसी कार्यवाहियां आगे भी जारी रहेंगी।

मेरे खिलाफ बयान देने वालों के साथ चाय पीते हैं बैज: भूपेश

PAC बैठक में प्रदेश प्रभारी के सामने फूटा पूर्व सीएम का गुस्सा

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जमकर नाराजगी जताई। उन्होंने पार्टी में अनुशासनहीनता के मामलों में कार्रवाई नहीं होने और वरिष्ठ नेताओं की निष्क्रियता को लेकर तीखा हमला बोला। बैठक में कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट की मौजूदगी में बघेल ने सीधे तौर पर प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को घेरते हुए कहा, जो नेता मेरे खिलाफ बयान देते हैं, उन्हीं के साथ आप चाय पीते हैं।

मुख्यमंत्री पर सीधा हमला नहीं करते वरिष्ठ नेता: भूपेश- पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को राज्य सरकार और मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोलना चाहिए, लेकिन कुछ वरिष्ठ नेता इससे बचते हैं। जनता के बीच हमारी मजबूत मौजूदगी तभी दिखेगी

जब हम सीधे और मुखर होकर विरोध करें, बघेल ने कहा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ नेता बड़े मुद्दों पर मौन रहते हैं और औपचारिक विरोध कर अपनी जिम्मेदारी निभा लेते हैं।

सीनियर नेताओं की उपेक्षा पर भी उठे सवाल- बैठक में कुछ वरिष्ठ नेताओं ने यह मुद्दा उठाया कि उन्हें संगठन में जिम्मेदारी नहीं दी जा रही है। उनका कहना था कि पार्टी को उनके अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए, लेकिन फिलहाल उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। इससे पार्टी में समन्वय और ऊर्जा की कमी महसूस हो रही है।

दीपक बैज ने दी सफाई- पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने भूपेश बघेल की टिप्पणी पर जवाब देते हुए कहा कि, अपने ही मामले में कार्रवाई करना सही नहीं होता। हम अनुशासन बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं को भी संतुलन में रखना जरूरी है। उन्होंने अनुशासनहीनता के मामलों में कार्रवाई की बात दोहराई।

7 जुलाई को छत्तीसगढ़ आएंगे खड़गे और वेणुगोपाल- बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल 7 जुलाई को छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस द्वारा शराब घोटाले, खाद-बीज संकट और अन्य जनहित के मुद्दों पर सरकार के खिलाफ बड़ी सभा आयोजित की जाएगी।

जैन संवेदना ट्रस्ट ने साधर्मिक परिवारों को सौंपी बीपी-शुगर मशीन

रायपुर (समय दर्शन)। जैन संवेदना ट्रस्ट ने स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना के तहत जैन साधर्मिक परिवारों को ब्लड प्रेशर और शुगर जांच की मशीनें प्रदान कर एक सराहनीय सामाजिक पहल की है। जैन मंदिर के पुजारी द्वारका तिवारी सहित 12 परिवारों को जून माह में यह मशीनें वितरित की गईं। कोरोनाकाल के बाद से बीपी और शुगर की बीमारियों में बढ़ोत्तरी को देखते हुए ट्रस्ट ने यह योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य प्रारंभिक जांच और स्वास्थ्य सजगता को बढ़ावा देना है। ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर और विजय चोपड़ा ने बताया कि योजना के तहत अब तक 235 मशीनें वितरित की जा चुकी हैं, और जुलाई में 20 और परिवारों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

बीपी मशीन के साथ प्रशिक्षण भी

ट्रस्ट के सदस्य चन्द्रेश शाह और महावीर कोचर ने बताया कि मशीन के साथ जांच स्ट्रिप्स का एक पैकेट भी दिया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर मशीन के उपयोग का प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जो भी जैन परिवार इस सुविधा का लाभ लेना चाहता है, वह ट्रस्ट से संपर्क कर नाम दर्ज करवा सकता है।

पुजारियों की विशेष भागीदारी

इस योजना में मंदिर के पुजारियों को भी शामिल किया गया है, ताकि वे भी स्वस्थ रहकर धार्मिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर महेन्द्र कोचर, विजय चोपड़ा और ओमप्रकाश बरलोटा भी उपस्थित रहे।

सामाजिक सहयोग की दिशा में सक्रिय

जैन संवेदना ट्रस्ट स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वावलंबन योजना और सुकन्या विवाह योजना जैसी सामाजिक योजनाओं पर भी काम कर रहा है। ट्रस्ट की यह पहल न केवल एक स्वास्थ्य सेवा है, बल्कि समाज को जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरस्वती सायकिल योजना अंतर्गत 80 छात्राओं को वितरित किए सायकिल

शिक्षा विकास का आधार, जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत जरूरी है : टंक राम वर्मा

रायपुर (समय दर्शन)। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला टोहड़ा में आयोजित विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर व मुंह मीठा कर अभिनन्दन किया। नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इसके साथ ही सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत 80 छात्राओं को सायकिल वितरित किए गए।

राजस्व मंत्री वर्मा ने सभी नवप्रवेशी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा हमारे विकास का आधार है। जीवन के सभी क्षेत्र मे लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मेहनत जरूरी है। विद्यार्थी अपनी पूरी क्षमता के साथ अध्ययन कर अपने भविष्य को गढ़ सकते हैं। वर्तमान सोशल मीडिया के दौर में विद्यार्थियों को इसके दुष्प्रभाव से बचना है। केवल पढ़ाई के लिए ही इसका उपयोग करें। विद्यार्थी निष्ठा और लगन के साथ मेहनत करें। उन्होंने कहा कि माता-पिता बच्चों का पालन पोषण कर सभी जरूरतों को पूरा करते हैं। विद्यार्थियों को सही दिशा और व्यक्तित्व का निर्माण स्कूल में ही होता है। विद्यार्थी ईमानदारी से मेहनत करें और भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। कार्यक्रम को विधायक धरसींवा अनुज शर्मा ने भी सम्बोधित किया इस अवसर पर राजस्व मंत्री ने सात अतिरिक्त कक्ष तथा 12 लाख रुपए से निर्मित प्रार्थना शेड का लोकार्पण किया। टोहड़ा स्कूल में शौचालय निर्माण, सायकल स्टैंड,प्रार्थना शेड और रंगमंच निर्माण की घोषणा के साथ ही एक पेड़ माँ के नाम से पौधरोपण किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल,जिला पंचायत के सदस्यगण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी,प्राचार्य श्रीमती रमुला एकता,वरिष्ठ व्याख्याता दिनेश आडिल एवं बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

संपादकीय

रैंकिंग में पश्चिम बंगाल पिछड़ा

भारत के बड़े राज्यों के लिए जारी वर्ष 2025 की नई रैंकिंग में महाराष्ट्र का पहले स्थान और पश्चिम बंगाल का 13वें स्थान पर रहना बहुत अखरने वाली बात नहीं है। चिंता की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव हैं। रैंकिंग में पिछड़ना राज्य में सत्तारूढ़ टीएमसी की छवि खराब कर सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केअरएज के अनुसार बड़े राज्यों में महाराष्ट्र शीर्ष पर रहा जबकि गुजरात को दूसरा, कर्नाटक को तीसरा, तेलंगाना को चौथा और तमिलनाडु को पांचवां स्थान मिला। एजेंसी रैंकिंग का निर्धारण सात प्रमुखबिदुओं के आधार पर करती है। इनमें आर्थिक, राजकोषीय, बुनियादी ढांचा, वित्तीय विकास, सामाजिक, शासन और पर्यावरण के पहलुओं पर राज्यों के कामकाज को परखा जाता है। केअरएज के अनुसार राज्यों की समग्र रैंकिंग में महाराष्ट्र 56.5 अंकों के समग्र सूचकांक के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि पश्चिम बंगाल कुल 17 बड़े राज्यों में 38.9 अंक के साथ 13वें स्थान पर रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार 34.8 के समग्र सूचकांक के साथ 17वें स्थान पर रहा जो झारखंड और मध्य प्रदेश से थोड़ा पीछे है। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु ने आर्थिक, वित्तीय विकास, पर्यावरण और शासन मापदंडों पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं छोटे, पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों से गोवा वित्तीय विकास, बुनियादी ढांचे, सामाजिक, आर्थिक एवं राजकोषीय मापदंडों में अच्छे अंक के साथ सबसे आगे रहा। बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर पश्चिम बंगाल बड़े राज्यों की श्रेणी में आठवें स्थान पर रहा जबकि पंजाब शीर्ष पर और उसके बाद हरियाणा और तेलंगाना रहे। यह रैंकिंग राज्यों के स्तर पर कुछ राज्यों को आगे दिखाती है तो कई सवाल खड़े भी करती है। इसमें गोवा जैसे छोटे, पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों तक का जिक्र है लेकिन बड़े राज्यों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और दिल्ली, उड़ीसा, छत्तीसगढ़,और आंध्र प्रदेश व केरल का कोई खास जिक्र नहीं है। क्या इन राज्यों में महत्त्व के काम नहीं हो रहे। क्या कारण है कि इन सभी राज्यों के काम रेटिंग एजेंसियों की नजर में नहीं आ पा रहे। हाल के वर्षों में रेटिंग एजेंसियों और सब्रे एजेंसियों की बाढ़ सी आ गई है। पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों को जबरदस्त कार्य करके दिखाने की जरूरत है।

ट्रंप का 'नोबेल' दर्द

अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इतना क्यों छटपटा रहे हैं? क्या उनके आग्रह पर ही पाकिस्तान ने उनके नाम की सिफारिश की है? क्या यह हास्यास्पद नहीं है कि जिस देश में आदर्श लोकतंत्र नहीं है और सेना ही सरकार को हांकती है, जिस देश को आतंकवाद की पनाहगाह माना जाता रहा है, जो देश पैसा लेकर किसी भी देश के खिलाफ 'जेहाद' करता रहा हो, जिस देश का रक्षा मंत्री कबूल करता हो कि हमने 30 साल में आतंकियों को पाला-पोसा है, उस देश ने नोबेल शांति पुरस्कार राष्ट्रपति ट्रंप को देने की सिफारिश की है? क्या राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति, स्थिरता, मानवता, सौहार्द के लिए अमूल्य, अतुलनीय प्रयास किए हैं? यदि अमरीकी राष्ट्रपति खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के योग्य मानते हैं, तो मध्य-पूर्व में ही, ईरान के इर्द-गिर्द, अमरीका के 16 बड़े सैन्य अड्डे क्यों हैं? करीब 60 एकड़ क्षेत्र में घातक, संहारक विमान और 51,000 से अधिक सैनिक क्यों तैनात हैं? क्या यह भी शांति के लिए बंदोबस्त किया गया है? कमोबेश अमरीका की सीमाएं वहां से काफी दूर हैं। यह अमरीका का साम्राज्यवाद ही है। बुनियादी तौर पर अमरीका हिंसक, युद्धोन्मादी, जनसंहारक देश है। राष्ट्रपति ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उन्होंने रवांडा-कांगो के बीच समझौता करवा दिया है, जो सोमवार से प्रभावी हो जाएगा। मिस्र और इथियोपिया में शांति स्थापित कराई है। कोसोवो और सर्बिया के बीच युद्ध रुकवाया है। उन्होंने 15वीं बार यह दावा भी किया है कि भारत और पाकिस्तान के दरमियान हालिया संघर्ष को खत्म कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पाकिस्तान ने भी अपनी सिफारिश में लिखा है कि भारत के साथ संघर्ष में राष्ट्रपति ट्रंप का हस्तक्षेप एक वास्तविक शांतिदूत के रूप में उनकी भूमिका और बातचीत के माध्यम से संघर्ष के समाधान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह पूरी तरह गलत प्रमाणपत्र है। भारत ने पाकिस्तान के साथ कब बातचीत की थी? सैन्य अफसरों का संवाद युद्धविराम के लिए महज औपचारिकता था। नोबेल पुरस्कार कमेटी को ऐसी छद्म और फर्जी सिफारिश करना ही अपराध है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप वाकई 'शांतिदूत' हैं, तो फलस्तीन के गाजा में हमले अब भी जारी क्यों हैं? वह रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त क्यों नहीं करवा पाए? यह तो ट्रंप का मुख्य चुनावी मुद्दा था। इराक, सीरिया, लीबिया, लेबनान, यमन, अफगानिस्तान आदि देशों में अमरीका की युद्धबाज के तौर पर और खुद राष्ट्रपति ट्रंप की क्या भूमिका रही है? मौजूदा इजरायल-ईरान युद्ध को ही लें। बीते 10 दिन से भीषण हमले जारी हैं। करीब 700 मौतें हो चुकी हैं। ईरान के 12 से अधिक सैन्य जनरल मार दिए गए हैं। परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। कितनी इमारतें और प्रतिष्ठान खंडहर कर दिए गए हैं, उनका डाटा अभी उपलब्ध नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं कि वह इजरायल को युद्ध छोडने को नहीं कहेंगे। यह कौनसा शांतिकर्म है? ट्रंप बार-बार बयान बदल रहे हैं। अमरीका युद्ध में संलिप्त भी है और राष्ट्रपति ट्रंप ने दो सप्ताह के बाद कोई फैसला लेने की बात कही है। वह दावा करते रहे हैं कि ईरान परमाणु बम बना रहा है, जबकि उनकी सरकार में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम 2003 में ही बंद करा दिया गया था, लिहाजा ईरान परमाणु बम कैसे बना सकता है? ट्रंप ने उनके बयान को खारिज कर दिया, तो तुलसी को भी सफाई देनी पड़ी। यदि ट्रंप वाकई 'शांतिदूत' हैं, तो उनका परमाणु बम से क्या लेना-देना? उनके प्रयास होने चाहिए कि युद्ध अविलंब खत्म हो, लेकिन अमरीका की नीयत के मद्देनजर रूस और चीन को चेतावनी देनी पड़ रही है कि अमरीका युद्ध में घुसने की कोशिश न करे। राष्ट्रपति ट्रंप का नोबेल पुरस्कार के लिए दर्द बार-बार बयां हो रहा है कि वह कितना, कुछ भी कर लें, लेकिन उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। उनकी यह छटपटाहट इसलिए भी घनीभूत होती है, क्योंकि 2009 में तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। अब यह तय होना है कि ट्रंप पात्र हैं या नहीं?

आपातकाल: आधी रात जब छिन गए थे जनता के सारे अधिकार

डॉ. आशीष वशिष्ठ

50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। पूरा देश इस फैसले से भौंचक रह गया। भारतीय इतिहास में लोकतंत्र का काला दिन था। आपातकाल लगाया गया, जो मार्च 1977 तक चला। इस दौरान भारत में लोकतंत्र लगभग खत्म कर दिया गया और एक तानाशाही शासन की शुरुआत इस दौरान नागरिक अधिकारों का बड़े पैमाने पर हनन हुआ था।

इंदिरा गांधी की सरकार ने अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, मीडिया की आजादी छीन ली, लोगों के मौलिक अधिकारों को रौंदा, मानवाधिकारों का उल्लंघन किया और आम नागरिकों को बेरहमी से प्रताड़ित किया गया और हत्या तक की गई। इस दौर में संविधान को भी कमजोर किया गया। हालांकि, आपातकाल का हर पहलू चौंकाने वाला था, लेकिन खासकर छात्रों पर किए गए अत्याचार बेहद निंदनीय थे। सब कुछ सिर्फ एक परिवार की तानाशाही को बरकरार रखने के लिए।

पहली बार ऐसा मौका था जब देश में अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा की गई थी। लोगों को आपातकाल के मतलब भी नहीं पता था। आपातकाल की घोषणा के साथ ही आम जनता के सभी मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे। किसी तरह की अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही नहीं, लोगों के पास जीवन का अधिकार भी नहीं रह गया था। आम जनता, मीडिया समूह, रेडियो, और अन्य प्रचार के माध्यमों पर पूरी पाबंदी लगा दी गई थी। आपातकाल की घोषणा के कुछ घंटे के भीतर की प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों में बिजली की आपूर्ति काट दी गई थी।

आपातकाल की सूचना के बाद से ही देश में ढूंढ-ढूंढ कर विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया था। तत्कालीन समय के बड़े नेता जयप्रकाश नारायण, लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडिस को जेल में डाल दिया गया। विपक्षी नेताओं के साथ साथ समाज में प्रभाव रखने वाले कांग्रेस के विपरीत विचारधारा वाले सभी लोगों और आम जनता में बेगुनाहों को भी जेल में भर दिया गया था, जेलों में जगह नहीं बची थी। करीब 1,40,000 लोगों आपातकाल में बिना किसी सुनवाई के राजनीतिक बंदी बनाया गया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आपातकाल के दौरान पूरे देश का नियंत्रण गांधी-नेहरू परिवार के हाथ में था। कांग्रेस ने आपातकाल की आड़ में वो सभी काम किए जो ना सिर्फ राजनीतिक लिहाज से अशोभनीय थे बल्कि अमानवीय भी थे। प्रेस में सरकार या आपातकाल की आलोचना करना अपराध की श्रेणी में आ चुका था। प्रेस-मीडिया पर भी सेंसरशिप लगा दी गई थी। हर अखबार में सेंसर अधिकारी तैनात किया गया था। हालात यह थे कि कांग्रेस समर्थित उस अधिकारी के अनुमति के बाद ही कोई समाचार छप सकता था। सरकार विरोधी समाचार छापने पर बिना किसी सुनवाई के गिरफ्तारी हो रही थी।

यही नहीं, कांग्रेस का विरोध करने वाले 26 संगठनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। 4 जुलाई 1975 को राष्ट्रीय विचार और भारतीयता के लिए काम करने वाले संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल के मुखर आलोचक रहे फिल्मी कलाकारों को भी इसका दंश झेलना पड़ा। किशोर कुमार के गानों को रेडियो और दूरदर्शन पर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देव आनंद को भी अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था।

देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई।

संजय गांधी की सनक के चलते सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी।

21 महीने के बाद जयप्रकाश का आंदोलन निर्णायक मुकाम तक जा पहुंचा। इंदिरा गांधी को सिंहासन छोड़ना पड़ा। मोरारजी देसाई की सरकार ने 28 मई 1977 में आपातकाल के दौरान हुए ज्यादतियों को जानने के लिए जस्टिस जे सी शाह की अध्यक्षता में शाह कमीशन गठित किया। शाह आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि जिस वक्त आपातकाल की घोषणा की गई उस वक्त ना देश में आर्थिक हालात खराब थे और ना ही कानून व्यवस्था में किसी तरह की कोई अड़चन थी। इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल अपनी इच्छा के अनुसार लगाया था और इस संबंध में उन्होंने अपने पार्टी के कुछ लोगों को छोड़कर किसी भी सहयोगी से कोई विमर्श नहीं किया था।

आपातकाल में गिरफ्तार किए गए अधिकतर सम्मानित और बुजुर्ग नेताओं को चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता थी, जो उन्हें अस्पताल में मौजूद नहीं कराई गई। इंदिरा गांधी की तानाशाही का एक नमूना इस बात से भी पता चलता है कि शाह आयोग ने नसबंदी कार्यक्रम पर सरकार के रवैए की बेहद आलोचना की थी। आयोग ने कहा था कि पटरी पर रहने वाले और भिखारियों की जबरदस्ती नसबंदी की गई इसके साथ-ऑटो रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए नसबंदी सर्टिफिकेट दिखाना अनिवार्य कर दिया गया था। आयोग ने यह स्पष्ट रूप से माना था कि सरकारी तंत्र का उपयोग कर कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए इस पूरे आपातकाल का इस्तेमाल किया गया।

जनवरी 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह स्वीकार किया कि वर्ष 1975 में आपातकाल के समय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ था। तत्कालीन अटॉर्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। आपातकाल के दौरान प्रेस की स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र 1 अगस्त 1977 में संसद में पेश किया गया। सत्या सी पेज के श्वेत पत्र से यह स्पष्ट हुआ कि तानाशाही की इच्छा रखने वाली इंदिरा गांधी ने अपनी अध्यक्षता में तय किया था कि प्रेस काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तत्कालीन चारों समाचार एजेंसियों को मिलाकर एक कर दिया जाए, जिससे उन्हें सेंसर करने और संभालने में आसानी होगी।

राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के जो नेता पिछले कुछ समय अक्सर लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं। संसद से सड़क तक वे संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, उन्हें याद दिलाना जरूरी है कि उनकी पार्टी के नेता ने दादागिरी करके इस देश पर 21 महीने आपातकाल लगाकर लोगों को जेल में ठूंस दिया था। असल में, 1975 में लगाया हुआ आपातकाल इंदिरा गांधी की गलती नहीं थी, बल्कि इंदिरा गांधी का अहंकार था। दिसंबर 2024 को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल का उल्लेख किया और कहा, ''दुनिया में जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो कांग्रेस के माथे से कभी यह कलंक मिट नहीं सकेगा क्योंकि लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। भारतीय संविधान निर्माताओं की तपस्या को मिट्टी में मिलाने की कोशिश की गई थी।''

मैं रॉयल्टी नहीं दे पाऊंगा

मेरे एक अंतरंग प्रकाशक मित्र हैं। जब भी मिलते हैं या बात करते हैं तो यही कहते हैं कि अमुक लेखक रॉयल्टी की मांग कर रहा है या फलां लेखक ने मुझसे दस प्रतिशत रॉयल्टी मांगी। यह कहकर वे इस तरह हंसते हैं, मानो लेखक ने रॉयल्टी मांग कर अपराध कर दिया हो। उनका कहना है कि लेखक अपना पारिश्रमिक लम-सम में एकमुश्त ले ले, लेकिन यह रॉयल्टी का लफड़ा माथाफोड़ी का है, अत: मैं इससे बचना चाहता हूं। रॉयल्टी सा'ब ज्यादा से ज्यादा पाठ्य पुस्तकों की दी जा सकती है। यह जनरल बुक्स में रॉयल्टी का चक्कर बुरा। मैंने अनेक बार तर्क भी दिए कि किताब बिकती है तो रॉयल्टी देने में क्या परेशानी है? उनका जवाब होता है कि साहित्य अब बिकता नहीं है और वे जो बेच रहे हैं, उसके हथकंडे सनसनीखेज हैं। लायब्रेरियन कमीशन लेते हैं, उसके बाद मार्जिन रहता नहीं है कि लेखक को रॉयल्टी दी जाए। यानी लाभ का उन तक का तो मार्जिन है, लेकिन लेखक की रॉयल्टी गोल हो गई है। गोया पुस्तक व्यवसाय में लाभ का मार्जिन लेखक की रॉयल्टी मारने तक है, आगे हानि ही हानि है। मेरे एक असली साहित्यकार भी मित्र हैं। मैं मानता हूं उन्हें अपना मित्र, पता नहीं वे मानते हैं या नहीं। क्योंकि वे जब आते हैं तो अपने आपको बहुत ही अटपटा-सा महसूस करते हैं कि वे मेरे पास क्यों आए। अब चूंकि काम उनको ही होता है तो उन्हें ही आना पड़ता है। साहित्य की घनघोर घटाओं से आच्छादित रहते हैं, लेकिन अभी जिस दिन वे आए थे, साहित्य का सारा बखेड़ा घर छोड़ आए थे। बहुत ही आत्मीय भाव से बोले-'अमां शर्मा जी, यह रॉयल्टी क्या होती है?' मैं चौंका ऊपर से नीचे तक, मैंने उन्हें देखा और कहा-'आपको यह शब्द कहां मिला? आपके शब्दकोश में तो यह था नहीं? यह तो व्यावसायिक लेखकों की लूट में शामिल है। आपका क्या लेना-देना है इस रॉयल्टी से?' वे बोले-'मजाक छोड़ो यार, यह बताओ, यह कैसे मिलती है?' मैंने कहा-'इसका मिलना इतना आसान नहीं है जितना आपने समझा है। पहले तो किताब लिखनी पड़ती है। फिर छपवाने का पापड़ बेलना पड़ता है। इसके बाद किताब बिके तत्पश्चात राजी हो तो वह मुट्ठी बांध कर जो दे दे, वही रॉयल्टी मानकर मन को प्रसन्न कर लो।' वे बोले-'नहीं शर्मा जी, सुना है दस प्रतिशत तक रॉयल्टी मिलती बताई।' मैंने कहा-'मुझे तो दस ही प्रतिशत मिलती है, लेकिन आपकी बाजार में क्या पोजीशन है, घूमकर पता कर लें। यदि भाव है तो मिल जाएगी रॉयल्टी। एक बात और, मेरे जो परम प्रिय प्रकाशक मित्र हैं, उनके पास जाकर तो आप रॉयल्टी का नाम भी मत लेना। वे रॉयल्टी मांगने वाले से बोलचाल भी नहीं रखते। किसी और को पकडना। हो सकता है रॉयल्टी मिल जाए।' यह कहकर मैं हंसा तो असली साहित्यकार जी के कान खड़े हो गए, वे बोले-'आप हंसे क्यों?' मैं बोला-'आपके मुखारविंद से रॉयल्टी शब्द सुनकर मुझे हंसी आ रही है।' 'क्यों, क्या मैं रॉयल्टी नहीं ले सकता?' 'क्यों नहीं ले सकते, लेकिन आपने तो साहित्य सेवा का व्रत ले रखा है, अब आप रॉयल्टी के पचड़े में क्यों पड़ रहे हैं?' मैंने कहा।

पहाड़ों के बीच से गुजरती उम्मीदों की ट्रेन : कश्मीर की रेल क्रांति

जया वर्मा सिन्हा

जून के एक खुशगवार दिन, गेंदे के फूलों और राष्ट्रीय गौरव से लदी हुई वंदे भारत एक्सप्रेस ने श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक अपनी पहली यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झंडी दिखाए जाने के बाद, यह क्षण एक हाई-स्पीड ट्रेन के शुभारंभ से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण बन गया था। यह एक सदी पुराने सपने की परिणति थी ङ्क जो चट्टानी इरादों, दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प से बुनी गयी थी। और वह संकल्प था - कश्मीर का शेष भारत के साथ रेल एकीकरण। इस ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों के खुशनुमा चेहरों से यह साफ़ दृष्टिगोचर हो रहा है।

अल्ट्रा आधुनिक यात्रा अनुभव के साथ कश्मीर जाने वाली यह ट्रेन हमारे इंजीनियरों के परिश्रम की ठोस नींव पर आधारित है। यात्रा के समय में कमी लाते हुए, यह हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें दिन में दो बार, सप्ताह में छह बार दोनों तरफ़ से चल रही हैं। ये न केवल घाटी में स्थानीय आर्थिक विकास के लिए आवश्यक प्रोत्साहन दे रही हैं, बल्कि देश भर के पर्यटकों के लिए भी वरदान साबित हो रही हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तीन घंटे के कम समय की इस मनमोहक यात्रा ने वास्तव में पर्वतीय कश्मीर को सभी मौसमों में शेष भारत के साथ एकीकृत कर दिया है। सड़क मार्ग से इस यात्रा में छह से सात घंटे लग जाते हैं। दशकों से, कश्मीर की कहानी संघर्ष और दूरी के नजरिये से सुनी जाती रही है। यह देखना अब उत्साहजनक है कि यह इबारत बुनियादी ढांचे - पुल, सुरंग और पहाड़ों के बीच से गुजरती रेल लाइनों की भाषा में फिर से लिखी जा रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शासन के 11 साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर, विशेष ट्रेनें और कनेक्टिंग लिंक कश्मीर में स्थानीय लोगों की नियति बदलने के लिए कमर कसकर तैयार हैं।

राष्ट्र की सेवा के अपने 172 साल के इतिहास में, भारतीय रेल ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। रेल से जुड़ी, पुरुषों और महिलाओं की समर्पित पीढ़ियों ने संपर्क और परिवहन को रोजमर्रा की हकीकत बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह एक विख्यात भारतीय विज्ञापन की एक मशहूर पंक्ति को चरितार्थ भी करती है- भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बनाती ङ्क यह राष्ट्रीय एकता का ताना-बाना भी बुनती है!

अलगाव से एकीकरण तक- ऐतिहासिक रूप से देखें तो कश्मीर का अलगाव केवल रूपक भर नहीं था, बल्कि यह भौगोलिक और कष्टदायी रूप से वास्तविक भी था। हिमालय की ऊंचाइयों पर बसा और अक्सर हफ्तों तक बर्फ से ढका रहने वाला यह क्षेत्र न केवल पहुंच में बल्कि अनुभव में भी दुर्गम था। सड़कें खतरनाक थीं, हवाई यात्रा सीमित थी और लंबे समय से किया जा रहा पूर्ण रेल संपर्क का वायदा एक मृगतृष्णा बनकर रह गया था। कश्मीर रेल लिंक के लिए ब्रिटिश काल का प्रस्ताव दशकों तक ड्राइंग बोर्ड पर सीमित रहा, जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से बाधित था। विचार-विमर्शों, व्यवहार्यता अध्ययनों, तकनीकी मूल्यांकनों और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ परामर्शों के अनगिनत दौर के बाद, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) को आधिकारिक तौर पर 1994 में मंजूरी दी गई थी। उत्तरी और दक्षिणी अनुभागों में जहां निरंतर प्रगति होती रही और एक दशक के भीतर वे प्रभावी रूप से पूरे भी हो गए, कटरा से बनिहाल तक के केंद्रीय अनुभाग में हिमालय से जुड़ी कई इंजीनियरिंग और सुरक्षा चुनौतियां सामने आईं।

वर्षों तक पहाड़ों की खाई से गुजरती यह रेल लाइनें दो अलग-अलग खंडों के रूप में बाधित रहीं। लेकिन यह खाई केवल भौतिक भूभाग से ही जुड़ी नहीं थी, बल्कि यह किसी और चीज की भी प्रतीक थी। यूएसबीआरएल परियोजना को पूरा करने का अंतिम ठोस प्रयास तब हुआ जब सरकार ने इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता घोषित किया। दृढ़ संकल्प और अत्याधुनिक तकनीक के समन्वय से काम करने के बाद आखिर इस परियोजना ने वास्तव में आकार ले ही लिया। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बिलकुल सटीक टिप्पणी की; यह एक परिवहन पहल भर नहीं थी, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक प्रयास थी।

जहां आसमान पर छाया है इस्पात- यूएसबीआरएल परियोजना शायद आज़ादी के बाद की सबसे महत्वाकांक्षी रेल पहल है। उधमपुर और बारामूला के बीच 272 किलोमीटर का यह हिस्सा 40 सुरंगों और 900 से ज़्यादा पुलों से होकर गुज़रता है। और इस सबके बीच में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है - चिनाब ब्रिज - जो नदी के तल से 359 मीटर ऊपर विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है। इंजीनियरिंग का यह चमत्कार 260 किलोमीटर प्रति घंटे की हवा की रफ़्तार और भूकंपीय क्षेत्र-ङ्क के झटकों को झेलने में सक्षम है। इसके बगल में अंजी खाद ब्रिज है, जो भारत का पहला केबल-स्टेड रेलवे ब्रिज है। यह घाटी में असमान रूप से फैला हुआ है, सिंगल पायलन इसका आधार है और यह 96 केबलों द्वारा समर्थित है। पीर पंजाल रेंज से गुजरने वाली 11 किलोमीटर लंबी टी-80 (बनिहाल - काजीगुंड) सुरंग सहित अन्य सुरंगों का निर्माण डायनामाइट और इन्सानी क्षमता के जरिये चट्टान को तराश कर किया गया है। भौतिक सर्वेक्षण घोड़े पर सवार होकर किए गए, जबकि ड्रोन और सैटेलाइट इमेजिंग ने हवाई सर्वेक्षण में सहायता प्रदान की। श्रमिकों ने हाड़ कंपकपाती सर्दियों, आकस्मिक भूस्खलनों और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमलों के मंडराते खतरे के बावजूद अनथक काम किया।

आज, 190 किलोमीटर से अधिक सुरंगों और हजारों टन स्टील लगने के बाद, यह लाइन पूरी तरह से तैयार है। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो सटीक इंजीनियरिंग को विजन की एक निश्चित साहसिकता के साथ जोड़ती है। यह घाटी को देश के बाकी हिस्सों से विशिष्ट प्रकार से जोड़ती है, जिसका एक महान सांकेतिक महत्व है।

उम्मीद से भरी ट्रेन- कई मायनों में, वंदे भारत एक्सप्रेस सिर्फ़ एक ट्रेन नहीं है - यह एक रूपक है। यह घास के मैदानों और घाटियों से चुपचाप गुज़रती है, वास्तविक और मनोवैज्ञानिक दोनों तरह की दूरियों को पाटती है और यह ऐलान करती है कि कश्मीर अब दूर नहीं रहा! इसने श्रीनगर और कटरा के बीच यात्रा के समय को लगभग छह घंटे से घटाकर सिर्फ़ तीन घंटे कर दिया है। जो कभी भूस्खलन, खतरनाक मोड़ और अप्रत्याशित मौसम के बीच एक दुर्गम सड़क यात्रा थी, वह अब सुरंगों और पुलों के माध्यम से एक अविश्वसनीय सुगम यात्रा बन गयी है।

यह न केवल शहरों को, बल्कि जीवनों को भी जोड़ती है। दूर-दराज के गांवों के बच्चे अब जम्मू और दिल्ली के विश्वविद्यालयों के बारे में बात कर रहे हैं। स्थानीय कारीगर, सेब उत्पादक और कालीन बुनकर अब अपने ताज़ा उत्पादों को त्वरित गति से घाटी से परे दूरदराज के बाज़ारों तक पहुंचते हुए देख रहे हैं।

श्रीनगर में एक युवा दुकानदार ने कहा, जहां पहले चेकपॉइंट होते थे और उससे खासी देरी होती थी, वहां अब ट्रेन की आवाज़ गूंज रही है। ऐसा लगता है कि अब हम देश के बाकी हिस्सों के आने का इंतज़ार नहीं कर रहे हैं - हम उसके साथ चल रहे हैं।

एक नई यात्रा, विकास प्रक्रिया अभी भी जारी- इसका मतलब यह बताना नहीं है कि एक ट्रेन कश्मीर की जटिल समस्याओं का समाधान कर देगी। बुनियादी ढांचा इतिहास को मिटा नहीं सकता या घावों को तुरंत ठीक नहीं कर सकता - सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर अभी भी ध्यान देने की आवश्यकता होगी। लेकिन यह - शाब्दिक और प्रतीकात्मक - दोनों तरह से दरवाजे खोल सकता है और आर्थिक, सामाजिक और अंतत: भावनात्मक एकीकरण की नींव रख सकता है। औपनिवेशिक कार्यालयों में ड्राइंग बोर्ड पर कभी एक सपने के रूप में जो आरंभ हुआ, वह हिमालय की चट्टानों के साथ मिलकर और स्टील से बनी रेलगाड़ियों के रूप में आज एक वास्तविकता बन गया है। कश्मीर तक रेल लाइन एक ऐसे देश की कहानी है जिसने भूभाग, आतंक या समय की सीमा की परवाह नहीं की। पहाड़ों की छाया से लेकर सूरज की रोशनी से जगमगाते स्टेशनों तक, अब एक नई यात्रा शुरू हो गई है!

संक्षिप्त समाचार

विकास खण्ड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन संपन्न

सारंगढ़ (समय दर्शन) : आयुक्त आयुष रायपुर के निर्देशानुसार एवं डॉ संजय कन्नौजे कलेक्टर सारंगढ़ बिलाई गढ़ के मार्गदर्शन में तथा डॉ चंद्रशेखर गोरहा जिला आयुष अधिकारी रायगढ़ के संरक्षण में नि:शुल्क विकास खण्ड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन दिनांक 25/6/2025 को ग्राम कोतरी में मंगल भवन शासकीय प्राथमिक शाला परिसर कोतरी में श्रीमती मथुरा कन्हैया गिरी गोस्वामी सरपंच ग्राम पंचायत कोतरी द्वारा भगवान धन्वंतरि की तैल चित्र पर पूजा अर्चना कर किया गया जिसमें खण्ड स्तरीय समस्त आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क जाँच कर आवश्यक दवाइयां वितरण की गई साथ ही दैनिक आहार बिहार की जानकारी दिया गया तथा सामान्य रोगों के साथ साथ बात रोग श्वास रोग कफअम्लपित्त त्वचा रोग स्त्री रोग शिशु एवं बाल रोग मूत्र विकार अर्श भगंदर वृद्धावस्था जन्य रोग शारीरिक एवं मानसिक दौर्बल्यता एवं अन्य रोगों के परामर्श व उपचार आदि की नि:शुल्क सुविधा प्रदान की गई मौसमी बीमारियों व संक्रमण रोगों की रोकथाम एवं रोग प्रतिरोधक उपाय की जानकारी प्रदान जिसमें कुल 612 मरीजों का नि:शुल्क जांच व उपचार किया गया साथ ही हीमोग्लोबिन 49 व ब्लड शुगर 16 तथा सिकल सेल 14 रक्त परीक्षण की गई तथा ओस्टियो आर्थराइटिस मस्कुलोस्केल्टन डिसऑर्डर का 22 तथा व्योमित्र का 24 तथा आयुरा विद्या के अंतर्गत स्कूल में 40 छात्र छात्राओं का जांच व उपचार किया गया इस शिविर में मुख्य रूप सेआयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ बेदराम पटेल डॉ शेषबहादुर यादव डॉ रामबिलास पाणीग्राही डॉ अशोक कुमार पाण्डेय डॉ राजीव प्रकाश सेन डॉ बद्री विशाल पंकज डॉ स्वाति पटेल डॉ वसीम खान होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी तथा आयुर्वेद फार्मासिस्ट श्री उमेश कुमार चौहान श्री सखा राम निराला श्री भारत लाल बरिहा श्री जगदीश सिडार श्री नरेश पटेल श्री माया राम बरिहा व औषधालय सेवक श्री राम प्रसाद खूंटे श्रीमती पद्मिनी पटेल एवं योग प्रशिक्षक श्री मनोज पटेल श्री लम्बोदर पटेल श्री योगेश चंद्र तथा एम पी डब्ल्यू आयुर्वेद श्रीमती प्रतिभा साहू श्रीमती विनीता पटेल सी एच ओ श्रीमती सरोजिनी टंडन एम पी डब्ल्यू महिला व लैब तकनीशियन श्री लक्ष्मण जोलहे का योगदान सराहनीय रहा है ।उक्तशय की जानकारीडॉ यशवंत कुमार स्वर्णकार जिला नोडल अधिकारी आयुष द्वारा दी गई ।

निगम सभागार में स्ट्रीट फूड वेंडरों की कार्यशाला आयोजित

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में फूड व्यवसाय करने वाले वेंडरो की कार्यशाला निगम सभागार में आयोजित की गई। जिसमें प्रमुख रूप से ऐसे व्यवसायी हैं, जो रोड के किनारे खाद्य सामग्रीयों का ठेला या गुमटी लगाकर व्यवसाय करते है। मुख्य व्यवसाय जैसे- चाट, इडली, गुपचुप, दोसा, समोसा, मोमोज, चाउमिन, चाय, भजिया, सैन्डविच, बर्गर, बड़ा, भेल, बर्फका गोला, अंडा एगरोल, कुल्फी, आईसक्रीम, मैंगोसेक, गन्ना रस इत्यादि। ऐसे व्यवसायियो को बुलाकर प्रथम एजुकेशन फांउडेशन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। इसका मुख्य उददेश्य था कि सभी वेंडर्स को शासन द्वारा दी जा रही स्वनिधि योजना का लाभ मिले एवं वेंडिंग जोन में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई है। इस प्रशिक्षण में लगभग 40 से अधिक संख्या में स्ट्रीट फूड वेंडर शामिल हुए। प्रशिक्षण के दौरान वेंडरो को बताया गया कि खादय सामग्री बनाते समय एवं ग्राहको को परोसते समय साफसफाई का ध्यान रखे, कचरा इधर उधर न फेके, हाथो में ग्लब्स पहने, नाखून साफ रखे, बनाते समय पोछने वाले कपड़ो को स्वच्छ रखे, पीने का पानी एवं धोने के पानी में दुरी रखे, पाउच एवं तम्बाखू खाकर व्यवसाय न करें, स्वच्छ कपड़ा पहनकर व्यवसाय करें, जहां बनाते है वहां गंदगी न रखे, पकाने वाले तेल का एक्सपायरी तिथि को ध्यान में रखे और उसी तेल को बार बार न उपयोग में लायें। कार्यशाला के दौरान निगम से प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के प्रोग्राम हेड अंकित राठौर, कलस्टर लीडर पवन साहू, प्रोग्राम कार्डिनेटर भोजराम साहू, राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन मैनेजर नलनी तनेजा, सेक्टर हेड सुभाष डोंगरे, टीकाराम साहू, योगेन्द्र साहू आदि उपस्थित रहे।

भक्ति, सेवा और सांस्कृतिक परंपराओं का संगम है, गदा चढ़ाने का अभियान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हनुमान सेवा समिति, छत्तीसगढ़ के संरक्षक व अध्यक्ष पर्यटन मंडल छत्तीसगढ़ नीलू शर्मा के मार्गदर्शन में द्वितीय चरण में पीतल का गदा चढ़ाने का अभियान पूरे उत्साह के साथ जारी है। इस पुण्य कार्य के तहत समिति ने प्यारेलाल चौक मंदिर, स्टेशन पर मंदिर, चिखली मंदिर, सिंगरपुर मंदिर, डिलापहरी मंदिर, इंडस्ट्रियल एरिया मंदिर, पनेका चौक मंदिर, ढाबा मंदिर, पाताल भैरवी मंदिर में पीतल का गदा अर्पित किया है।

समिति ने घोषणा की है कि जिस हनुमान मंदिर में अभी तक पीतल का गदा नहीं चढ़ाया गया है, वहां भी यह कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा। इस अभियान में समिति के सदस्य शिव वर्मा, मनोज वर्मा, सोनू परिहार, राजेंद्र राजपूत, आशु डाहरिया, नीलेश पटेल, राजू वर्मा, संदीप वालस्कर, कमलेश चौरसिया, राजा वर्मा, विजय वैष्णव, छोटू मानिकपुरी, शुभम पात्रे, सूरज डोंगरे, स्वाधीन नायक, शिवम देवांगन, कुंदन साहू, रविंद्र देवांगन, गिरधारी साहू,

राकेश वर्मा, नरोत्तम साहू, दीपक देवांगन, अमित चौहान, दीपक साहू, रमेश साहू, रोशन देवांगन, शौर्य शर्मा, सुनील वर्मा, करण पाल, धर्मेंद्र यादव सहित अन्य सदस्य भक्ति और समर्पण के साथ मंदिर-मंदिर पहुंचकर यह सेवा कार्य कर रहे हैं।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भगवान हनुमान के प्रति श्रद्धा और भक्ति को बढ़ावा देना, मंदिरों की आध्यात्मिक और सौंदर्यपूर्ण महत्ता को उन्नत करना, सामुदायिक एकता को प्रोत्साहित करना, सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण और विस्तार करना तथा समाज में नि:स्वार्थ सेवा की भावना को जागृत करना है। यह अभियान धार्मिक मूल्यों को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में एकता और समर्पण की भावना को प्रेरित करता है।

हनुमान सेवा समिति का यह अभियान छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को न केवल संरक्षित कर रहा है, बल्कि उनका विस्तार भी कर रहा है। हनुमान जी की पूजा-अर्चना से जुड़े रीति-रिवाजों और परंपराओं को जीवित रखने के लिए यह अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है। पीतल का गदा चढ़ाने की प्रथा, जो हनुमान जी की शक्ति और भक्ति का प्रतीक है, को पुनर्जनन प्रदान कर यह अभियान नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ रहा है। विभिन्न मंदिरों में आयोजित इस कार्य के दौरान भजन, कीर्तन और धार्मिक आयोजनों ने स्थानीय संस्कृति को और अधिक प्रचारित किया है, जिससे समुदाय में सांस्कृतिक गौरव और एकता की भावना बढ़ी है।

इस अभियान ने क्षेत्र में कई सकारात्मक प्रभाव डाले हैं। मंदिरों में पीतल का गदा चढ़ाए जाने से धार्मिक उत्साह में वृद्धि हुई है, जिससे श्रद्धालु अधिक संख्या में पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। मंदिरों का सौंदर्यीकरण और आध्यात्मिक महत्व बढ़ने से स्थानीय समुदाय में गर्व की भावना जागृत हुई है। अभियान ने सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा दिया है, जिससे लोग सामाजिक और धार्मिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी दिखा रहे हैं। विशेष रूप से युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। नि:स्वार्थ सेवा की भावना ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दिया है। यह अभियान अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन रहा है, जो समान धार्मिक और सामाजिक पहलों को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं।

हनुमान सेवा समिति ने बताया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि सभी हनुमान मंदिरों में पीतल का गदा चढ़ाया जा सके। इस कार्य ने क्षेत्र में भक्ति, एकता, सेवा और सांस्कृतिक गौरव का माहौल बनाया है, जो समुदाय को सकारात्मक दिशा में ले जा रहा है।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर अभाविप रायपुर महानगर द्वारा विचार संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर (समय दर्शन)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, रायपुर महानगर द्वारा देश के लोकतंत्र पर लगे काले अध्याय आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में आपातकाल के दमनकारी पक्षों, लोकतंत्र की हत्या, नागरिक अधिकारों के हनन तथा संवैधानिक मूल्यों पर पड़े प्रभाव पर गहन चर्चा की गई।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रायपुर महानगर मंत्री श्री प्रथम राव फुटाने ने करते हुए आपातकाल के ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भ को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार तत्कालीन सत्ता के लोभ ने संपूर्ण राष्ट्र को अधिनायकवाद की ओर धकेला था।

मुख्य वक्ता के रूप में अभाविप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. आशुतोष मंडावी ने संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे काले दिन के रूप में दर्ज है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मीडिया की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आज़ादी और आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सत्ता ने कुचल दिया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अभाविप के पूर्व प्रदेश मंत्री (अविभाजित मध्यप्रदेश) अधिवक्ता श्री सच्चितानंद उपासने जी ने आपातकाल के दौरान बिताए 19 माह के कारावास और उस दौरान सहन की गई अमानवीय यातनाओं का मार्मिक अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल केवल राजनीतिक दमन नहीं था, बल्कि वह भारतीयता, संस्कृति और लोकतंत्र पर किया गया एक सुनियोजित प्रहार था। इस अवसर पर आपातकाल के दौरान मीसा के तहत जेल गए श्री सुभाष देशपांडे एवं श्री अशोक शेष जी का सम्मान कर उनके संघर्षों को नमन किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. श्वेता वासनिक (रायपुर महानगर उपाध्यक्ष) ने करते हुए सभी वक्ताओं, अतिथियों एवं उपस्थित युवाओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इतिहास की इन घटनाओं से प्रेरणा लेकर हमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना चाहिए। संगोष्ठी में महानगर सह मंत्री सुजल गुप्ता, रुचिका, हर्षित, निशा, संकल्प, सुनाए सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। युवाओं की सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि वर्तमान पीढ़ी भी इतिहास की चेतावनियों को समझने और राष्ट्रहित में सोचने को तत्पर है। यह आयोजन लोकतंत्र, संविधान एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति युवाओं को जागरूक करने की दिशा में एक प्रेरणास्पद पहल रही।

कृष्णा तेल ग्राहको को धोखा देकर कमा रहे करोड़ो रुपए

सारँगढ योगेश कुर्रे (समय दर्शन) – सारँगढ में खाद्य सामग्री लेने से पहले उपभोक्ता समान को जांच कर संतुष्ट कर लेवे अन्यथा बड़ी नुकसान हो सकता है जिस तरह से सारँगढ बिलाईगढ़ जिले में धड़ल्ले से सामग्री बिक रहा है मानो सम्बंधित विभाग ने फैक्टरी वालो को खुला छूट दे रखा है ऐसे एक मामला सारँगढ में देखने को मिला है जिसे सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे सारँगढ बिलाईगढ़ नवीन जिला निर्माण को 2 वर्ष से ऊपर हो गया लेकिन अभी तक पूरा सेटप नही होने से कई ऐसे विभाग आज भी रायगढ़ ,बलौदाबाजार जिले से संचलित होते है जिसकी वजह से सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में खाद्य पदार्थों मे लूट मचा हुआ है इधर महंगाई कमर तोड़ रही तो दूसरी ओर खाद्य पदार्थ बनाने वाली कंपनी मे लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ रही आपको बता दें कृष्णा राइस के नाम से आने वाला तेल जिसे आप सभी सब्जी बनाने वक्त डालते है अमूमन अधिकांश घरों में कृष्णा तेल का स्तेमाल करते हैं लेकिन कृष्णा तेल कंपनी आमजनता को खूब लुट रही है ग्राहको को धोखा देकर अपनी काली कमाई कर तिजोरी भर रहे आपको बता दे कृष्णा तेल की पैकेजिंग 910 ग्राम पैकेट और तेल को लेकर किया गया है लेकिन 910 ग्राम की वजह 903

,904,905,906 तक भर मार्केट में ख़फ़या जा रहा है जरा सोचिए कंपनी किस लेवल की धांधली कर रहा आपको लग रहा होगा कि 5 से 10 ग्राम से क्या होगा लेकिन जरा सोचिए ये समझने वाली तर्क है कि अगर सिर्फ5 से 10 ग्राम तेल की कीमत 1 रूपये है तो कंपनी एक साल मे अगर 2 करोड का पैकेट बेचता है तो उस हिसाब से 2 करोड रूपये कृष्णा कंपनी आपको धोखा देकर कमा गया शायद आपकी जिंदगी में एक रूपये से फर्क नहीं पड़ता लेकिन यही तो कंपनी की लॉजिक है जहां सिर्फ ग्राहक से एक रूपये की धांधली करनी है और सालाना करोड़ो छापने है जबकि वहीं अन्य तेल कंपनी पैकेजिंग और तेल की क्वांटिटी के साथ 10 ग्राम अधीक भर रही लेकिन अन्य तेल और कृष्णा तेल की पैकेट में कई ग्राम का अंतर है अगर आप भी कृष्णा तेल स्तेमाल करते है तो सावधान हो जाए और हो सके तो बदल दे खबर का उद्देश्य है कि ग्राहक को धोखा से बचाना और ग्राहक हित में कृष्णा कंपनी ऐसे पैकेजिंग करना बंद करे हमने कंपनी के कस्टमर केयर भी इसकी जानकारी दी लेकिन कंपनी के अधिकारी इस बात को लेकर अपने आप को अनभिज्ञ बताते रहे जबकि बाकायदा कोई भी प्रोडक्ट मार्केट में सेल करने से पहले चेक बार कई तरह से चेक किया जाता है लेकिन उसके बाद भी कम मात्रा वाली पैकेट मार्केट में कैसे खपाया जा रहा है

इस मामले में नापतोल विभाग के अधिकारी सुमित सोलंकी को भी दूरभाष के माध्यम से अवगत कराया गया जिसमें कहा कि इस मामले में जांच की जाएगी और कार्यवाही भी किया जाएगा

सुमित सोलंकी नापतोल विभाग

ईवी ओईएम के एल5 श्रेनी के पूर्व सब- डीलर ने टेरा मोटर्स को चुना है- जीरो डाउन पेमेंट और 200 किमी की रेंज ने किया आकर्षित

गुरूग्राम: जापानी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेरा मोटर्स ने भारत में अपने मजबूत और पारदर्शी डीलरशिप मॉडल के माध्यम से तेजी से विस्तार करते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। एक अग्रणी एल5 ईवी ब्रांड के पूर्व सब-डीलर ने अब टेरा मोटर्स के साथ बतौर अधिकृत मुख्य डीलर साझेदारी की है। इस कदम के पीछे प्रमुख कारण रहे सीमित लाभ मार्जिन और पिछले ब्रांड में दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं की कमी। श्री राकेश शर्मा, मालिक, ज्योति एंटरप्राइजेज (नव नियुक्त डीलर), ने इस अवसर पर कहा: ईवी क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों तक सब-डीलर के रूप में कार्य करते हुए मैंने महसूस किया कि पूर्व ब्रांड के अंतर्गत लाभ और विस्तार की संभावनाएं सीमित थीं। टेरा मोटर्स का ब्रांड, उनकी पारदर्शी नीति और जापानी गुणवत्ता से जुड़ाव ने मुझे प्रभावित किया। अब बतौर मुख्य डीलर, मेरे पास बेहतर मार्जिन, अधिक नियंत्रण और दीर्घकालिक व्यापार वृद्धि का अवसर है। यह परिवर्तन भारतीय ईवी बाजार में एक व्यापक रुझान को दर्शाता है, जहां डीलर अब पारंपरिक नामों की तुलना में ऐसे ब्रांड्स की ओर रुख कर रहे हैं जो बेहतर मुनाफा और सहभागिता आधारित मॉडल पेश कर रहे हैं।टेरा मोटर्स द्वारा हाल ही में लॉन्च किया गया एल5 श्रेणी का इलेक्ट्रिक ऑटो 'क्योरो+', अपने 200 किमी की अग्रणी रेंज, 5 वर्ष की वारंटी, और ज़ीरो डाउन पेमेंट विकल्पों के साथ तेज़ी से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोकप्रिय हो रहा है। टेरा मोटर्स के प्रबंध निदेशक, श्री गो सुजुकी ने कहा: हम अनुभवी और समर्पित डीलरों का Terra परिवार में स्वागत करते हैं। हमारा उद्देश्य केवल मुनाफा साझा करना नहीं, बल्कि साझेदारों की चुनौतियों को साथ मिलकर हल करना है। हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं जहां डीलर सीधे प्रबंधन से संवाद कर सकते हैं। हम पूरे भारत में ऐसे डीलर्स को जोड़ने के लिए तत्पर हैं, जो पारदर्शी और विकासोन्मुख भागीदारी की तलाश में हैं।

भाजपा जनों ने आपातकाल दिवस पर जिला कार्यालय में प्रदर्शनी लगाकर संविधान हत्या दिवस मनाया

आपातकाल निजी स्वार्थ की पूर्ति हेतु लगाना इसका निर्वाह आज भी कांग्रेसी कर रहे हैं -विजय बघेल

आपातकाल देश का एक बुरा सपना था जिसे हर देश का नागरिक आज भी नहीं भूल पाया -सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग (समय दर्शन)। 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने निजी स्वार्थ की पूर्ति हेतु देश में आपातकाल लगा दिया था जबकि उसे समय ऐसा कोई भी औचित्य नहीं था भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय प्रदेश नेतृत्व के द्वारा आपातकाल दिवस को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया था जिसके तहत दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में आपातकाल दिवस मनाते हुए मीशा बंदियों का सम्मान किया साथ ही आपातकाल के ऊपर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक विधायक ललित चंद्राकर गजेंद्र यादव पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशीला साहू, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य उषा टावरी, चंद्रिका चंद्राकर, निवृत्तमान जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, कार्यक्रम प्रभारी दिनेश देवांगन, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने कांग्रेस के आपातकाल को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आम जनमानस के बीच में कांग्रेस की इस हरकत को लेकर जाएं 7 कार्यक्रम के दौरान मीशा बंदी या उनकी अनुपस्थिति में उनके परिवारजनों

को मोमेंटो साल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया 7 जिनमें यह है राम पाटनकर,ठाकुर जनार्दन सिंह,लक्ष्मी नारायण ठाकुर, चिंतामणि वामन, वासुदेव पाटनकर , गोवर्धन जायसवाल,स्व .मोहन लाल भैया पूर्व सांसद स्व.डॉक्टर वामन वासुदेव पाटनकर,स्व .दिनकर श्याम राव डांगे,कल्याण सिंह अग्रवाल,स्व. शामनदास रत्नानी,स्व. विरेंद्र दानी वकील,डॉ देवेंद्र दानी,स्व. डोमार सिंह चंद्रकार,स्व .डॉ लक्ष्मी नारायण चंद्राकर,स्व. ज्योति प्रकाश साहू,स्व.जागेश्वर साहू,स्व.मंगल दास जांगड़े,स्व.किशन लाल शर्मा

इस अवसर पर दुर्ग लोकसभा की सांसद विजय बघेल ने संबोधित करते हुए कहा कि संविधान हत्या दिवस 25 जून 1975 कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल की लेकर मनाया जाता है आज उसकी 49वीं भर्ती है देश के लिए वह आपातकाल अत्यंत आवश्यक नहीं था लेकिन कांग्रेस की और खासकर के इंदिरा गांधी की सता की भूख को लेकर यह आपातकाल लगाया गया था आपातकाल के वह 19 से 20 माह में देश ने कई प्रकार की यातनाएं झेली आपातकाल के दौरान देशभर में चुनाव स्थगित हो गए थे।आपातकाल की घोषणा के साथ हर नागरिक के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए। लोगों के पास न तो अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार था, न ही जीवन का अधिकार।पांच जून की रात से ही देश में विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियां शुरू हो गई थीं। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जयप्रकाश नारायण जैसे बड़े नेताओं को जेल भेज दिया गया।इतनी बड़ी संख्या में लोगों को जेल में डाला गया था कि जेलों में जगह ही नहीं बची।

प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई। हर अखबार में सेंसर अधिकारी रख दिये गये थे। उस सेंसर अधिकारी की अनुमति के बिना कोई खबर छप ही नहीं सकती थी। अगर किसी ने सरकार के खिलाफ खबर छापी तो उसे गिरफ्तारी झेलनी पड़ी। आपातकाल के दौरान प्रशासन और पुलिस ने लोगों को प्रताड़ित किया, जिसकी कहानियां बाद में सामने आईं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप सभी इस आपातकाल को अपने आसपास मोहल्ले में आम जनमानस के बीच लेकर जाएं और उन्हें बताएं कि कांग्रेस ने किस तरह से अपनी सता की भूख मिटाने के लिए देश में आपातकाल लगाया और बार-बार संविधान को कुचला दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने पर संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून को हम सब काला दिवस के रूप में मनाते हैं कांग्रेस ने संविधान की हत्या कर हम सबको ने 25 जून का संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का आहवन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है और हम सब को इसे मानना भी चाहिए जिस तरह से कांग्रेस ने अपनी अपनी निजी स्वार्थ की पूर्ति हेतु इस तरह का कृत्य किया कांग्रेस ने आपातकाल काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है, वे संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है।

संक्षिप्त समाचार

हेमशंकर जेठमल साहू को भारत गौरव पुरस्कार से नवाजा जाएगा, 28 जून को मुंबई में होगा भव्य आयोजन

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले से सामाजिक सरोकारों में सक्रिय हेमशंकर जेठमल साहू को भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें 28 जून 2025 को मुंबई में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिभा प्रेरणा महोत्सव 2025 में प्रदान किया जाएगा। यह आयोजन भारत रत्न लता मंगेशकर नाट्यगृह, भायंदर (मुंबई) में बड़े ही भव्य रूप में संपन्न होगा। श्री साहू को यह सम्मान ग्रामीण नेतृत्व, महिला स्वसहायता समूहों के गठन, बाल अधिकारों की पैरवी, किसान संगठनों की स्थापना और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जा रहा है। उन्हें प्रशस्ति पत्र, शॉल, स्मृति चिन्ह और 51,000 रूपये की सम्मान राशि से नवाजा जाएगा। पुरस्कार की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री साहू ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए नहीं, उन हजारों ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं के लिए है, जिन्होंने आत्मनिर्भरता और परिवर्तन की राह अपनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ एडमिरल क्रांति महाजन के स्वागत भाषण से होगा, जो इस आयोजन को भारत की चेतना का उत्सव बताएंगे। महोत्सव में समाजसेवा, शिक्षा, पर्यावरण, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक चेतना पर आधारित पुस्तकों का विमोचन व वितरण होगा। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और समाजसेवियों को ये पुस्तकें भेंट की जाएंगी। कार्यक्रम की खास आकर्षण होंगी भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, जिनमें महाराष्ट्र की लावणी, छत्तीसगढ़ का पंथी, असम का बिहू, राजस्थान का घूमर, उत्तराखंड का झोड़ा और कर्नाटक का यक्षगान शामिल हैं। ये प्रस्तुतियां दर्शकों को भारत की सांस्कृतिक एकता और विविधता से रूबरू कराएंगी। महोत्सव का समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ किया जाएगा। इस दौरान देशभर से आए साहित्यकार, शिक्षाविद्, कलाकार, पत्रकार और छात्र-छात्राएं एक मंच पर एकत्रित होंगे। यह आयोजन राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक बदलाव और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बनेगा।

दो माह में अवैध शराब के 113 प्रकरण दर्ज, 476.6 लीटर शराब और 1200 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त

कलेक्टर के निर्देश पर आबकारी विभाग की लगातार छापामार कार्रवाई जारी

मुंगेली(समय दर्शन) जिले में अवैध शराब के नियंत्रण के लिए लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2025 से 31 मई 2025 के मध्य जिलेभर में लगातार छापामार अभियान चलाया गया। इस अवधि में कुल 113 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए, जिनमें 476.6 बल्क लीटर देशी, विदेशी और कच्ची महुआ शराब तथा 1200 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त की गई। इसके साथ ही शराब के अवैध परिवहन में प्रयुक्त दोपहिया वाहन भी जब्त किए गए हैं। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी मामलों में छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के अंतर्गत गैर-जमानती धाराओं में प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क की गहराई तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जिले में अवैध शराब के उत्पादन, भंडारण और बिक्री को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन या आबकारी विभाग को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मुजगहन मे शाला प्रवेश उत्सव.....

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। कार्यक्रम मे जिला पंचायत सदस्य धनेश्वरी साहू होमेश्वर साहू सरपंच ग्राम पंचायत मुजगहन अध्यक्ष उमेश यादव गायत्री परिवार के जिला समन्वक दिलीप नाग पूर्व सरपंच मुरलियादव, ईश्वर सेन संस्था के प्रचर्या नवीन साहू,व्याख्याता सी एच सिन्हा सर, कमलवंशी सर, कौशिक सर, राजकुमार सिन्हा सर, एवं समस्त स्टॉफ, नव प्रवेशी छात्रों को गुलाल लगाकर, मुँह मीठा कराया गया निशुल्क पुस्तक वितरण किया गया, होमेश्वर साहू सरपंच द्वारा अपने उधबोधन मे कहा की बच्चे निरंतर मेहनत और लगन से पढ़ाई करे, शिछा का उद्देश्य सिर्फ नौकरी प्राप्त करने का साधन नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास का भी माध्यम है शिछा से ही हम अपने समाज मे बदलाव ला सकते है शिक्षा हमारे जीवन को दिशा देती हैऔर आज कल बच्चे नशा की ओर जा रहे है हमें नशा से बचना है अनुशासन का पालन करते हुए सभी बच्चे अच्छा से पढ़ाई करे मै सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हू।

पाटन जनपद की सामान्य सभा में खाद की कमी की गूंज, बैठक में मुखर रहे जनपद सदस्य

बलराम यादव

पाटन। जनपद पंचायत पाटन की सामान्य सभा की बैठक बुधवार को संपन्न हुई । इस बैठक में अपनी अपनी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सभी जनपद सदस्य काफी मुखर रहे। वहीं जनपद सदस्यों ने यह भी नाराजगी जताई कि जनपद की सामान्य सभा की बैठक में अधिकारी पूरी जानकारी के साथ उपस्थित नहीं होते। कई ब्लॉक के प्रमुख अधिकारी अपने प्रतिनिधि के रूप में जिसे भेजते हैं वह भी जवाब देने में असफल रहते हैं। ऐसे में क्षेत्र की समस्याओं के बारे में चर्चा नहीं हो पाती। इसे लेकर भविष्य में सभी ब्लॉक मुख्यालय के अधिकारियों को जनपद की सामान्य सभा की बैठक में पूरी जानकारी के साथ मौजूद रहने की मांग भी सदस्यों ने की है। जनपद पंचायत पाटन की बैठक की अध्यक्षता आज जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने की । बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी आईएएस अधिकारी पठारे अभिजीत बबन के साथ-साथ उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा ,विधायक प्रतिनिधि जवाहर वर्मा के अलावा सभी जनपद सदस्य, सभापति एवं अधिकारी भी मौजूद रहे। जनपद सदस्यों ने सबसे पहले अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। इसके अलावा सभी सदस्यों के साथ बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा भी की गई। क्षेत्र में खेती किसानी के दिन आ गए हैं और सोसाइटियों में खाद की संकट को लेकर सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखी। किसानो की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्य आनंद बघेल, विधायक प्रतिनिधि जवाहर वर्मा, दिनेश साहू ,उर्वशी वर्मा, रश्मि वर्मा ने मुख्य रूप से सोसाइटी में खाद नहीं है जिसके कारण किसानों को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया। इस पर जल्द से जल्द सेवा सहकारी समितियां में खाद उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। जनपद सदस्य खेमलाल देशलहरे ने चारभाटा के भाटापारा में नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की मांग रखी। यहां पर छोटे-छोटे बच्चों को आंगनबाड़ी नहीं होने के कारण दूर जाना पड़ता है। इसके अलावा जनपद सभापति प्रणव शर्मा ने ग्राम राखी में नल जल योजना का कार्य पूर्ण नहीं है इसे जल्द पूरा करने की मांग किया। उन्होंने पाटन ब्लॉक के स्कूलों में शिक्षकों की समस्याओं को भी सदन पर रखा। जनपद सदस्य दिनेश साहू ने नल जल योजना अपूर्ण एवं पाइपलाइन अभी तक नहीं बिछी है इसके बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने अपने क्षेत्र के सभी गांव में जल्द से जल्द नलजल योजना का कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के लिए भी सदन में बात रखी। आनंद बघेल ने अचानकपुर हाईस्कूल में बच्चे कम हो रहे हैं इसके बारे में बात रखी। उन्होंने कहा कि अचानकपुर स्कूल में ग्राम अचानकपुर और दौर के बच्चे पढ़ते हैं लेकिन सेलूद के स्कूल में ग्राम दौर के बच्चों का एडमिशन लिया जा रहा है जिसके कारण दौर के बच्चे अचानकपुर नहीं आ रहे हैं ।ऐसे में अचानकपुर स्कूल में बच्चे कम हो रहे हैं । हाई स्कूल अचानकपुर में बच्चों की संख्या बढ़े इसके लिए उन्होंने मांग किया है की सेलूद स्कूल में ग्राम दौर के बच्चों का एडमिशन न लिया जाए जिससे कि अचानक पूर स्कूल में वहां के बच्चे पढ़ सके। इसके अलावा जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने बताया कि जनपद सदस्यों के सभी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया एवं सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है की प्राथमिकता के आधार पर सभी जनपद सदस्यों के क्षेत्र से जो भी समस्या आई है उनको जल्द से जल्द उन समस्याओं को दूर करें। बैठक में प्रमुख रूप से जनपद सदस्य गण अधिकारी गण मौजूद रहे।

धरती आबा शिविर में वर्षा का जल संचय करने किया प्रेरित

मोहला (समय दर्शन)। धरती आबा जनअभियान क्लस्टर ग्राम पंचायत शेरपार जिला मोहला मानपुर अ.चौकी अंतर्गत ग्राम जल जागरूकता अभियान बुधवार को चलाया गया। जिसमे जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं रखरखाव के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए क्लस्टर के अंतर्गत ग्राम मोहभट्ठा, , बिटेझर शेरपार , डालाकसा, बिरही , मुकदहा , मुचर, कुम्हली अडमागोंदी के ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ ग्रहण दिलाया गया। इस बीच कार्यपालन अभियंता महेश साहू एवं सहायक कार्यपालन अभियंता ए पी शर्मा, के निदेशानुसार जल संरचनाओं को बिंदुवार बताया गया। जिसमे पानी की टंकी में पूर्ण जल भराव होने के उपरान्त ही पानी चालू करे ताकि हर घर जल तीव्र गति से पहुंच सके, साथ ही ग्रामवासियों को यह समझना बहुत जरूरी है कि सभी घरों में नल स्टैंड में नल की टोटी लगी होनी चाहिए अगर नल की टोटी नहीं होगी तो पानी व्यर्थ बहता रहेगा । और हम जल नहीं बचा सकते, जहां पर समतल जगह नहीं है यानि घर ऊपर की ओर है वहां पर मोहल्ले में वाल का चेंबर बनाकर दिया हुआ है जिसे समय पर बंद चालू करने पर पानी ऊपर की ओर तीव्र गति से चढ़ पाएगा और शुद्ध पेयजल पर्याप्त मात्रा में पहुंचने लगेगा। वहीं बताया गया कि आज हमारे जिले में जल स्तर काफी गहरे में पहुंच गया है लगभग 300 से 350 तक जल स्तर नीचे चले गया है जब तक हम जल संचय नहीं करेंगे आने वाले भविष्य में जल संकट और भी भयावह स्थिति रूप ले सकती है हमे और हमारे आस पास के लोगों को जल संरक्षण के लिए आगे बढ़ना होगा जैसे कि आप सभी जानते हैं वर्षा का जल हम अपने घरों में या आस पास के जगहों पर संचय कर सकते है । सबसे हम अपने घरों में सोखता बनाकर वर्षा का जल को संरक्षित कर सकते है , तालाबों में जल का रोकथाम कर सकते हैं, नदी और पहाड़ी इलाकों में वाटरशेड निर्माण कर वर्षा का जल संचय कर सकते है इससे लाभ यह होगा कि जो जल स्तर नीचे चले गया है उसमें वृद्धि होगी और जल स्तर ऊपर आना प्रारंभ होगा । धरती आबा जन अभियान शिविर में उपस्थित क्लस्टर के जनपद सदस्य कनक नागवंशी , श्रीमती जया मांडवी सरपंच शेरपार , श्रीमती गणेश्वरी नूरेटी सरपंच अडमागोंदी श्रीमती समारी बाई मांडवी सरपंच मोहभट्ठा श्री जोगेंद्र कुमार सरपंच कुम्हली श्री प्रीतराम टेकाम सचिव कुम्हली ए .ई मिलिन विद्युत विभाग एवं अधिकारी कर्मचारीगण थे।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय : विधायक मोहले

मीसाबंदियों की 50वीं वर्षगांठ पर भावपूर्ण सम्मान, छायाचित्र प्रदर्शनी एवं फिल्म प्रदर्शन

मुंगेली(समय दर्शन) आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज जिला मुख्यालय स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित विविध कार्यक्रमों के माध्यम से लोकतंत्र के लिए संघर्षरत मीसाबंदियों को नमन किया गया। इस अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी, प्रेरणादायक फिल्म प्रदर्शन एवं मीसाबंदियों का सार्वजनिक सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात आपातकाल लोकतंत्र की हत्या विषय पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, जिसमें आपातकाल की विभीषिका, आंदोलनों और मीसाबंदियों के संघर्षों को चित्रों के माध्यम से जीवंत किया गया। बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों एवं युवाओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर इतिहास को समझने का प्रयास किया।

इस अवसर पर मीसाबंदी द्वारिका जायसवाल एवं कृष्ण कुमार सोनी ने आपातकाल के दौरान अपने अनुभव साझा किए। जायसवाल ने कहा कि आपातकाल के दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। नागरिक अधिकारों पर रोक लगाई गई और आवाज उठाने वालों को जेल में डाला गया। वहीं सोनी ने जेल में हुए अमानवीय व्यवहार और मीसाबंदियों के साहसिक संघर्ष की बात कही। मुख्य अतिथि विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय था। उस समय मौलिक अधिकारों और संविधान की खुलेआम अवहेलना की गई। उन्होंने कहा कि 25 जून हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों की महत्ता की याद दिलाता है। मीसाबंदियों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को आपातकाल के उस दौर से सीख लेकर लोकतंत्र की मजबूती में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा हेतु सदैव सजग रहें। कार्यक्रम के दौरान मीसाबंदियों एवं उनके परिवारजनों को शाल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पांडेय ने अंत में सभी अतिथियों और नागरिकों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी एवं श्रीमती मेनका प्रधान, गणमान्य नागरिक दीनानाथ केशरवानी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एसपी धमतरी के निर्देश पर,एएसपी द्वारा 121 गुंडा, निगरानी एवं संदेही बदमाशों की कराई गई परेड

गुंडा,निगरानी बदमाशों को दी गई सख्त चेतावनी व दिलाई गई अपराध से दूर रहने की शपथ

चरित्र में सुधार लाने वाले वृद्ध बदमाशों को 'माफी बदमाश' की श्रेणी में लाने वरिष्ठ कार्यालय को भेजा गया प्रतिवेदन

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। पुलिस अधीक्षक धमतरी श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में जिले में सक्रिय असामाजिक तत्वों, आदतन अपराधियों, गिरोहों, गुंडा व निगरानी बदमाशों पर नियंत्रण हेतु विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस नियंत्रण कक्ष परिसर में जिले के कुल 184 पंजीबद्ध गुंडा, निगरानी एवं संदेही बदमाशों में से 121 बदमाशों की पहचान कर उनकी परेड कराई गई तथा उन्हें अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। परेड के दौरान इन सभी बदमाशों से उनके वर्तमान निवास, आजीविका के साधन एवं सामाजिक आचरण के संबंध में जानकारी ली गई। उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई कि वे किसी भी आपराधिक गतिविधि, गिरोह अथवा असामाजिक कार्यों में संलिप्त न हों। सभी को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अच्छे आचरण का परिचय दें और अपने परिवार के साथ समाज में शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करें। साथ ही, जिन व्यक्तियों की वर्तमान में आपराधिक प्रवृत्ति समाप्त हो चुकी है, जो वृद्ध हो चुके हैं तथा जिनका चरित्र स्थानीय जनता द्वारा अच्छा बताया गया है-ऐसे गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को माफी बदमाश की श्रेणी में लाने हेतु प्रतिवेदन वरिष्ठ कार्यालय को भेजने के निर्देश भी थाना प्रभारियों को दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी तंत्र को और सशक्त करें, आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर सतत् निगरानी रखें और उनके विरुद्ध गुंडा एक्ट, निगरानी फाइल जैसी सख्त विधिक कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस परेड कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मणिशंकर चन्द्रा, एसडीओपी. कुरूद श्रीमती रागिनी मिश्रा,डीएसपी. सुश्री मोनिका मरावी,श्री शैलेन्द्र पांडेय, एवं थाना कोतवाली,रूद्री, अर्जुनी,भखारा,सिहावा, कुरूद, मगरलोड,नगरी, दुगली, चौकी करेली बड़ी एवं चौकी बिरेझर के प्रभारी गण सहित पुलिस स्टॉफ की उपस्थिति रही।

महासमुन्द पुलिस को प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा दिलाने के नाम पर ठगी एवं चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने में मिली सफलता

जिले में ठगी एवं चोरी के 06 प्रकरणों का खुलासा , 02 आरोपी महासमुन्द पुलिस की गिरफ्त में

ठगों ने महासमुन्द जिले के महासमुन्द, तुमगांव, पटेवा, और तेन्दूकोना क्षेत्र में दिया था ठगी को अंजाम

महासमुन्द(समय दर्शन)। महिलाओं को प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर फेटोग्राफ लेने के बहाने सोने चांदी के आभूषणों को ठगी एवं चोरी कर, देते थे घटना को अंजाम। आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 78 हजार कीमत के सोने के जेवर कुल वजनी 17.98 ग्राम एवं 1 लाख 10 हजार कीमत के चांदी के जेवर कुल वजनी 1000.09 ग्राम तथा 01 नग मोबाईल एवं घटना में प्रयुक्त 01 मोटर सायकल कुल जुमला कीमती 3,98,610 रूपये (तीन लाख अट्ठानबे हजार छः सौ दस रूपये) जप्त

सायबर सेल की टीम एवं थाना महासमुन्द पुलिस की संयुक्त कार्यवाही- घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थीया पुनिया बाई ध्रुव पति भरत ध्रुव सा. खरौरा महासमुन्द ने थाना सिटी कोतवाली महासमुन्द आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 18.06.25 के सुबह करीबन 09.00 बजे प्रार्थीया और उसकी नतनीन चुम्मन ध्रुव के साथ घर से लगा हुआ बाडी में काम कर रही थी उसी समय मोटर सायकल में दो व्यक्ति आये और अपने आप को प्रधानमंत्री आवास संबंधित अधिकारी बताये और उन्होंने कहा कि आपका प्रधानमंत्री आवास में नाम आया है इसलिये आपका फेटो खिचना है और उन्होंने कहा जो गहना आप पहनी हो उसका यदि फेटो में दिखाई देगा तो आपका आवास निरस्त हो जायेगा इसलिये आपको अपने गहना उतारना पडेगा। तब प्रार्थीया ने गले में पहने चांदी का माला 10 तोला, कान में पहने सोने का टाप वजनी 02 ग्राम तथा हाथ में पहने ऐंठी 16 तोला को निकाल कर जेवर को अपने घर कमरा में रखी और अपने घर के दरवाजा को बंद कर बाहर आयी और उन दोनों का फेटों खिंचना है कहकर प्रार्थीया तथा उसकी नतनीन को बाडी में ले गये, वहां पर एक व्यक्ति अपने मोबाईल से उन दोनों का फेटो खिंचा और दूसरा व्यक्ति बाडी के दरवाजा के पास था उक्त व्यक्ति फेटो खींच रहे व्यक्ति को काम हो गया है चलो कहा और जाते जाते मुझे कहा कि आपका काम हो जायेगा बडा साबह आपके घर आयेगा कहते हुये दोनों अपने मोटर सायकल से चले गये । कुछ समय पश्चात हम लोग घर अंदर गये और मैं जहां पर अपने गहना रखी थी वहां देखी तो मेरा गहना चांदी का माला वजनी 10 तोला कीमती करीबन 8,000/- रूपये, सोने का टाप एक जोडी वजनी 02 ग्राम कीमती करीब 18,000/- रूपये तथा हाथ में पहने एक जोडी चांदी की ऐंठी वजनी 16 तोला कीमती 13,000/- रूपये कुल जुमला कीमती 39,000/- रूपये को दो अज्ञात व्यक्ति अपने आप को प्रधानमंत्री आवास का अधिकारी बताकर घर अंदर प्रवेश कर मेरा गहना चोरी कर ले गये है। प्रार्थीया की रिपोर्ट पर थाना महासमुन्द में अपराध/धारा 305(ए), 331(3), 319(2), 3(5) बीएनएस. का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया

विवेचना के दौरान सायबर सेल एवं थाना महासमुन्द पुलिस की टीम के द्वारा घटना स्थल निरीक्षण कर एवं आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज देखा गया तथा संदिग्ध लोगो की पता तलाश की जा रही थी कि मुखबिर से सूचना मिला कि सीसीटीवी फुटेज से मिलता जूलता व्यक्ति रेलवे स्टेशन रोड में घुम रहा है कि उक्त सूचना पर पुलिस की टीम के द्वारा मौका पहुच कर घेराबंदी कर 01 व्यक्ति को पकडा गया। जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम (01) नारद गेण्ड्रे पिता भुनेश्वर गेण्डेऊ उम्र 36 वर्ष सा. ग्राम बिलाडी थाना तिल्दा नेवरा जिला रायपुर का होना बताया। जिससे उक्त चोरी के संबंध में पूछताछ करने पर प्रार्थीया के घर मे जाकर प्रधानमंत्री आवास के नाम पर चांदी/सोने के गहने को चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस की टीम के द्वारा दूसरे व्यक्ति के बारे में पूछताछ करने पर बताया कि चन्द्र कुमार जो अभी महासमुन्द के बस स्टैण्ड के पास है टीम के द्वारा मौका पहुचकर घेराबंदी कर पकडा गया जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम (02) चन्द्र कुमार टण्डन पिता नरेश कुमार उम्र 35 वर्ष सा. ग्राम भैंसमुडी थाना खरोरा जिला रायपुर हाल बिरगांव थाना उरला जिला रायपुर का निवासी होना बताया

पुलिस टीम के द्वारा दोनो आरोपीयों से पूछताछ करने पर बताया कि हम दोनो अपने अपने लिए पक्का मकान बनाना चाहते थे किन्तु हमारे पास पैसा नही होने से मकान नही बना पा रहे थे तभी हम दोनो मिलकर योजना बनाये कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो को आवास का पैसा स्वीकृत होता है वैसे लोगो के घर में जाकर ठगी और चोरी करेंगें और महासमुन्द जिले में ठगी के 06 घटना को अंजाम देना बताये।

एक एकड़, एक साल, एक लाख : जिले में औषधीय पौधों की खेती की प्रक्रिया शुरू

80 एकड़ शासकीय भूमि पर औषधीय पौधों की खेती के लिए स्वसहायता समूहों से अनुबंध

खेती शुरू करने चार लाख रूपये की प्रारंभिक राशि भी मिली

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी जिले में औषधीय पौधों की खेती की प्रक्रिया शुरू हो गई। अगले एक सप्ताह में 21 गांवों में 80 एकड़ शासकीय भूमि पर लगभग 38 स्व सहायता समूहों की महिलाएं खस, ब्राम्ही और पचौली के पौधे रोपेंगी। किसानों सहितं महिला स्व सहायता समूहों की सदस्यों की आय बढ़ाने में औषधीय पौधों की खेती विशेष पहल की शुरूआत मानी जा रही है। औषधीय पौधों की खेती से विशेषज्ञों ने एक एकड़ रकबे में एक साल में 75 हजार रूपये से लेकर एक लाख रूपये तक के शुद्ध मुनाफे का अनुमान लगाया है। जिले में इस खेती के लिए औषधीय पादप बोर्ड की सहायता ली जा रही है। बोर्ड के सीईओ श्री जेसीएस राव ने आज कुरूद में एक सौ से अधिक महिलाओं को औषधीय पौधों की खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इसके लिए अनुदान, प्रशिक्षण, पौधे आदि की उपलब्धता के बारे में भी बताया। सीईओ ने उपस्थित महिलाओं को खेतों में रोपने के लिए औषधीय पौधे नि:शुल्क उपलब्ध कराने, पौधों को लगाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन देने, पौधों की देखरेख करने, उनका प्रसंस्करण करने से लेकर उन्हें बेचने के लिए भी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जानकारी दी। इस दौरान तीन महिला समूहों को औषधीय पौधों की खेती शुरू करने के लिए कॉन्टेक्ट फार्मिंग के तहत औषधीय बोर्ड से मान्यता प्राप्त खरीददारों ने प्रारंभिक राशि के रूप में चार लाख रूपये के धनादेश भी दिए। इस कार्यशाला में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव सहित कृषि, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

जिले में कुरूद और मगरलोड विकासखण्ड में पहले चरण में खस 68 एकड़ रकबे में, ब्राम्ही 9 एकड़ रकबे में और पचौली 3 एकड़ रकबे में लगाई जाएगी। 21 ग्राम पंचायतों के 21 गांवों के 38 स्व सहायता समूहों की लगभग 380 महिलाएं यह खेती करेंगे। जिले में पहले चरण में औषधीय पौधों की खेती शासकीय भूमि पर कराई जा रही है। इसके अनुभव के बाद निजी किसानों के खेतों में भी औषधीय फसलें लगवाई जाएंगी। पहले चरण में नारी, गुदगुदा, परखंदा, परसवानी, मंदरौद, सिरसिदा, बोरसी, लड़ेर, सोनेवारा, कपालफेड़ी, मेघा, गिरौद, सौंगा, बुड़ेनी, कण्डेल, बलियारा, झूरानवागांव, सारंगपुरी, देवपुर, सोरम और पोटियाडीह में महिला स्व सहायता समूह खस, ब्राम्ही और पचौली की खेती करेंगी। अगले एक सप्ताह में इन सभी गांवों में चिन्हांकित स्थलों पर पौधों का रोपण शुरू हो जाएगा।

कलेक्टर बोले-ऐतिहासिक दिन, इससे किसानों-महिलाओं की आय बढ़ेगी- कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज के दिन को धमतरी जिले के लिए ऐतिहासिक बताया उन्होंने कहा कि महिला समूहों को औषधीय पौधों की खेती से जोड़ने के सफल प्रयास से एक तरफ इस खेती को बढ़ावा तो मिलेगा ही।

अश्लील वीडियो देखने व दिखाने वाल आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। जिले की थाना खुर्सीपार जिला पुलिस ने अश्लील वीडियो अपलोड कर देखने व अन्य लोगों को दिखाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया! बता दे कि दिनांक 24.06.2025 को खुर्सीपार के आईटीआई मैदान के पास एक पेड़ के नीचे एक व्यक्ति द्वारा अश्लील वीडियो दिखा रहे हैं की सूचना पर थाना खुर्सीपार पेट्रोलिंग द्वारा हुलिया के आधार प्राप्त सूचना के आधार पर आईटीआई मैदान के पास एक पेड़ के पास एक व्यक्ति मोबाइल देख रहा था जिसके पास जाकर पुलिस पेट्रोलिंग द्वारा *पूछताछ करने से जो अपना नाम दिलावर हुसैन जो मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखने व अन्य लोगों को दिखाने की बात स्वीकार करने पर उक्त आरोपी के विरुद्ध थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 127/25 धारा 67 (ए) आईटी एक्ट के तहत कायम कर आरोपी को विधिवत दिनांक 24.06.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश कर जेल दाखिल किया गया ।

जल ही जीवन है

!! कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)!!

//ईश्तहार//

प्र.क्र. 202506100600055/अ-2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व आम जनता की सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका टिकेश्वर राम पिता/पति श्री गुहा राम, निवासी शीतला पारा केसरा तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम- केसरा प.ह.न. 39. तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 2260/2 रकबा 0.0300 हे. भूमि पर व्यवसायिक प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. सहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति की माध्यम से नियत दिनांक 30/06/2025 न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक ईश्वर लाल पिता स्व. रामप्रसाद निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरी पुत्री कुसुम साहू पिता ईश्वर लाल का जन्म दिनांक 25.08.2011 को ग्राम बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक ईश्वर लाल पिता स्व. रामप्रसाद निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो, तो अपनी लिखित आपत्ति, प्रकरण.. में सुनवाई, तिथि.. 08/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

// न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.//

//ईश्तहार//

रा.प्र. क्रमांक 202411100900031 अ/6 अ
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम तरीघाट प.ह.नं. 36 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाषित किया जाता है कि आवेदक संतोष पिता बिहारी उम्र 50 निवासी सोनपुर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा मौजा ग्राम तरीघाट तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित कय शुदा भूमि खसरा नंबर 152/2 रकबा 0.45 हे. भूमि जिसमें विक्रेता मोगेश्वरी पति यशंवत से पंजीकृत बैनामा दिनांक 12.01.2016 को क्रय किया गया। भूमि खसरा नंबर 152/2 रकबा 0.11 हे. के स्थान पर 0.21 है. दर्ज किये जाने हेतु अभिलेख त्रुटि सुधार बाबत् आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक संतोष पिता बिहारी उम्र 50 निवासी सोनपुर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार अभिलेख रकबा त्रुटि सुधार किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 30.06.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12.06.2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक रोमन लाल पिता स्व. रामप्रसाद निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्री ललिमा साहू पिता रोमन लाल का जन्म दिनांक 19.08.2011 को ग्राम बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक रोमन लाल पिता स्व. रामप्रसाद निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला. दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र यादव पिता संतोष यादव निवासी सांतरा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे दादा स्व. इतवारी यादव पिता गैंदा का मृत्यु दिनांक 17.01.2025 को ग्राम सांतरा तहसील पाटन जिला दुर्ग में मृत्यु होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक सुरेन्द्र यादव पिता संतोष यादव निवासी सांतरा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गोविन्द साहू पिता स्व. कलीराम साहू निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्र विक्की पिता गोविन्द साहू का जन्म दिनांक 11.10.2006 को ग्राम बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक गोविन्द साहू पिता स्व. कलीराम साहू निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्थां को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक गजाधर पिता हलालू राम निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्री पूर्वा निषाद पिता गजाधर का जन्म दिनांक 14.05.2011 को ग्राम बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक गजाधर पिता हलालू राम निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक यशवन्त यादव पिता बाहरा राम निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्री नीलम यादव पिता यशवन्त यादव का जन्म दिनांक 19.06.2011 को ग्राम बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक यशवन्त यादव पिता बाहरा राम निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

!! न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग छ.ग.!!

//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/121
वर्ष 2025

एतद् द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक दुजराम पिता स्व. जगेशर निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पुत्री युक्ती पिता दुजराम का जन्म दिनांक 10.08.2019 को ग्राम बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक रोमन लाल पिता स्व. रामप्रसाद निवासी बोरेन्दा तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकर्ण में सुनवाई तिथि 08/07/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 01 वर्ष 2025-26

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र.	ना.प्र.क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा/ आपत्ति की जानी है
355	355	रोहतास प्रसाद/ स्व. शिव कुमार प्रसाद	कपिल मुनि प्रसाद/ स्व. शिव कुमार प्रसाद	वार्ड कं. 50 बोरसी दुर्ग	दान पत्र
356	356	राजेन्द्र कुमार दुबे, सुरेन्द्र दुबे, सुनील दुबे, चंद्रकांता दुबे, सुमित्रा दुबे सभी के पिता शंकर प्रसाद दुबे	शंकर प्रसाद जी दुबे/ जगन्नाथ प्रसाद जी दुबे	वार्ड क्रं. 11 शंकर नगर दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं फार्म बी-1, पी ।।
357	357	संदीप कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	बाबू लाल/ विनय जैन, विजय कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
358	358	संदीप कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	बाबूलाल जैन/ संजय जैन एवं सुरेश कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
359	359	सुरेश कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	विजय कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
360	360	सुरेश कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	बाबूलाल/ हर प्रसाद जैन, संजय कुमार/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
361	361	विजय कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	बाबूलाल/ हर प्रसाद जैन, सुरेश कुमार/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
362	362	संजय कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	संदीप कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
363	363	खेमराज सिन्हा/ पतिराम सिन्हा	श्रीमती शिखा अग्रवाल/ आशीष अग्रवाल	वार्ड कं. 59 कातुलबोर्ड दुर्ग	तहसीलदार दुर्ग छ.ग. का आदेश दिनांक 18.09.2015
364	364	विजय जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	सुरेश कुमार एवं संदीप कुमार/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
365	365	संजय कुमार जैन/ स्व. बाबूलाल जैन	सुरेश कुमार एवं संदीप कुमार/ स्व. बाबूलाल जैन	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	उपहार विलेख
366	366	मो. तनवीर आलम/ नूर आलम	कीर्तिलता सिन्हा/ रामस्वरूप सिन्हा	वार्ड क्र. 42 कसारीडीह दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
367	367	शर्मिष्ठा चौधरी/ स्व. परितोष कुमार चौधरी, विराजिता चौधरी/ स्व. परितोष कुमार चौधरी	अनिता चौधरी/ स्व. परितोष चौधरी	वार्ड क्र. 43 आदर्श नगर दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं फार्म बी-1, पी ।।
368	368	उमेश शर्मा/ श्रीकांत शर्मा, पूनम शर्मा/ उमेश शर्मा	अजीत वैध/ जीवन लाल वैध	वार्ड क्र. 59 कातुलबोर्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
369	369	अय्युब अली मंसूरी/ स्व. मोहम्मद अली	देवी चौधरी/ संतोष चौधरी एवं सरोज अग्रवाल/ गौरी शंकर अग्रवाल, रेखा अग्रवाल/ कमलेश अग्रवाल	वार्ड क्र. 43 कसारीडीह दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
370	370	गिरीश सिंह/ ख्यात सिंह	मछन्दर सिंह/ गुरूचरण सिंह	वार्ड क्र. 59 कातुलबोर्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
371	371	सुरेश कुमार/ स्व. नीलकंठ देशमुख	नीलकंठ देशमुख/ फकीर सिंह देशमुख एवं पवन कुमार, नीलकंठ देशमुख एवं अन्य 06	वार्ड क्र. 37 आजाद वार्ड दुर्ग	हक त्याग विलेख
372	372	ना.बा. एम.डी. ओवैश कुरैशी/ एम.डी. आसिफ कुरेश, श्रीमती शमा बानो कुरैशी/ मो. आसिफ कुरैशी	मो. अफसर/ शेख मुसा	वार्ड क्र. 15 सिकोला बस्ती दुर्ग	दानपत्र
372/A	372/A	चैतराम सोनकर/ पुराणिक सोनकर	शोभा साहू/ रविन्द्र साहू	वार्ड कं. 35 रामदेव मंदिर वार्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
373	373	लोकेश कुमार सोनकर, तिरथ लाल सोनकर, ढालेश्वर सोनकर, शांतिलाल सोनकर/ लखनलाल सोनकर	शोभ साहू/ स्व. रविन्द्र साहू	वार्ड कं. 35 रामदेव मंदिर वार्ड दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
374	374	अंशुमन चटर्जी/ स्व. डी.डी. चटर्जी	डी.डी. चटर्जी/ के.एस. चटर्जी	वार्ड कं. 50 बोरसी दुर्ग	छ.ग. गृह निर्माण मण्डल सम्पदा प्रबंधक प्रक्षेत्र, दुर्ग छ.ग. आदेश दिनांक 01.10.2020
375	375	फिरोज खान/ जलील खान	फिरोज खां/ स्व. उस्मान खां	वार्ड कं. 8 तकियापारा दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
376	376	दिलदार सिंह धुन्ना/ स्व. हरभजन सिंह धुन्ना	हरभजन सिंह/ सोहन सिंह	वार्ड कं. 25 गायत्री मंदिर वार्ड दुर्ग	बंटवारानामा
377	377	बेअंत सिंह धुन्ना/ स्व. हरभजन सिंह धुन्ना	हरभजन सिंह/ सोहन सिंह	वार्ड कं. 25 गायत्री मंदिर वार्ड दुर्ग	बंटवारानामा
378	378	अमर सिंह धुन्ना/ स्व. हरभजन सिंह धुन्ना	हरभजन सिंह/ सोहन सिंह	वार्ड कं. 25 गायत्री मंदिर वार्ड दुर्ग	बंटवारानामा
379	379	राकेश कुमार अग्रवाल/ स्व. दीनानाथ अग्रवाल	अनारकली अग्रवाल/ स्व. दीनानाथ अग्रवाल एवं अन्य 03	वार्ड कं. 32 ब्राम्हण पारा दुर्ग	हकत्याग
380	380	सुलोचना यादव/ स्व. अनिल कुमार यादव, योगेश यादव/ स्व. अनिल कुमार यादव	मंजू मेहता/ आर.के. मेहता	वार्ड कं. 49 बोरसी दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
381	381	मोना नरेरा (शर्मा)/ स्व. मनोज नरेरा (शर्मा), प्रियांश शर्मा ना.बा. / स्व. मनोज नरेरा (शर्मा)	सीता बाई/ अर्जुन अग्रवाल एवं कमला देवी शर्मा/ बनवारीलाल शर्मा	वार्ड कं. 38 मिलपारा दुर्ग	तहसीलदार छ.ग. दुर्ग आदेश दिनांक 22.06.2019
382	382	धनंजय झा/ पद्माकर झा	करूणाकर झा/ रत्नाकर झा, धनंजय झा/ पद्माकर झा	वार्ड कं. 30 तमेरपारा दुर्ग	न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग छ.ग. पारित आदेश दिनांक 07.05.2025
383	383	रामशरण गुप्ता/ शिव सागर गुप्ता	श्याम लाल गुप्ता/ स्व. बैजनाथ गुप्ता	वार्ड कं. 33 चंडी मंदिर दुर्ग	तहसीलदार छ.ग. दुर्ग आदेश दिनांक 08.12.2020
384	384	अरूणिमा पटनायक/ डी.एम. पटनायक	यूनिवर्सल एसोसिएट्स :- दिनेश कुमार मिश्रा/ स्व. बृजभूषण मिश्रा	वार्ड कं. 21 तितुरडीह दुर्ग	पंजीकृत बयनामा

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम दुर्ग

जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। जिले की थाना वैशाली पुलिस ने पति-पत्नी के साथ मारपीट कर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है वहीं एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। मामले में एक आरोपी को पहले की गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया स्नेहा चौबे पति प्रदीप चौबे उम्र 35 वर्ष साकिन कैम्प- 18 नंबर रोड़ पाण्डेय मोहल्ला वैशाली नगर दुर्ग ने थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज करायी कि दिनांक 21.05.2025 को रात्रि में प्रार्थिया और इनके पति प्रदीप चौबे घर पर थे कि रात्रि करीबन 10.30 बजे के आसपास शुभम यादव प्रार्थिया के पति को फोन करके घर के घर के सामने बुलाया और पैसे की लेन देन की बात को लेकर प्रार्थिया के पति प्रदीप चौबे को गालिया देने लगा शुभम यादव के साथ दीपक नेपाली और राजा थे जिनके द्वारा मिलकर प्रार्थिया के पति प्रदीप चौबे को हाथ मुक्का लात से मारे और शुभम यादव द्वारा प्रार्थिया के पति को जान से मारने की नियत से गले को जोर से दबा रहा था।

सेन्ट्रल लाईब्रेरी नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

--: निविदा आमंत्रण सूचना :--

क्रमांक 04 / सेन्ट्रल लाईब्रेरी/नपानि / 2025 रायपुर, दिनांक 20/06/2025

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु छ.ग. शासन लोक निर्माण विभाग,श्रम आयुक्त कार्यालय ई.पी.एफ. कार्यालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम में एकीकृत ठेकेदारों से कलेक्टर दर पर शासन द्वारा निर्धारित पी.एफ., ई.एस.आई.सी. दरें निर्धारित प्रपत्रों में तीन लिफाफा पध्दति पर लिफाफा अ में अमानती राशि तथा लिफाफा ब में सीलबंद निविदाएं पृथक- पृथक लिफाफें में पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट से सीलबंद निविदाएं सेन्ट्रल लाइब्रेरी नगर पालिक निगम रायपुर के पते पर आमंत्रित की जाती है। कार्य की अमानत राशि का एफ.डी.आर. आयुक्त, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से मान्य होगा।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है।

01. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - दिनांक 11.07.2025 संध्या 5.00 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - दिनांक 14.07.2025 संध्या 5.00 बजे तक।
03. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - दिनांक 15.07.2025 सुबह 11.00 बजे तक।

क्र.	कार्य विवरण	निविदा आमंत्रण	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	समयावधि
1.	2	3	4	5	6	7	8
2.	सेन्ट्रल लाईब्रेरी में निजी प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से 05 लाईब्रेरी सहायक (कुशल कर्मचारी) कलेक्टर दर पर रखे जाने का कार्य।	प्रथम	879240	6600	750	श्रम विभाग से पंजीकृत ठेकेदार/ फर्म	12 माह

नियम एवं शर्तें :-

1. सशर्त निविदाएं अस्वीकार्य होगी। अमानत राशि एफ.डी.आर. में अलग लिफाफे में देना होगा, निविदा संबंधी समस्त अधिकार आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर का रहेगा। विस्तृत जानकारी सेन्ट्रल लायब्रेरी से प्राप्त की जा सकती है।
2. ठेकेदारी / सुरक्षा एजेंसी का वैध जीवित पंजीयन प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
3. GST GST, RI.6 month, ITR 3 year, commercial tax regtstration Certificate, Revenve Solvency Certificate, Finacial capacity certificate from any Schedule Bank
4. प्राप्त समस्त मुहर बंद निविदाएं नियत तिथि तथा समय में उपस्थित निविदाकार अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।
5. अन्य नियम एवं शर्तें सेन्ट्रल लाईब्रेरी में उपलब्ध है ।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

नोडल अधिकारी
सेंट्रल लाईब्रेरी
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

जिस विद्यालय में पढ़े उसी विद्यालय में जाकर सरपंच ने बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन, ग्राम मोतीपुर का मामला

पाटन। अपने 32 वें जन्मदिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत मोतीपुर के सरपंच मोहन लोधी ने अपने बचपन के शिक्षालय प्राथमिक शाला मोतीपुर में पहुँचकर एक पेड़ मां के नाम और स्कूली बच्चों को चॉकलेट वितरण कर जन्मदिवस मनाया। साथ ही पुरानी यादें साझा करते हुए कहा कि, उन्होंने भी इसी स्कूल में 1999 से 2004 तक के अपने शैक्षणिक सफर तय किया। जन्मदिवस के मौके में उपसरपंच लक्ष्मी कुमार सरपंच प्रतिनिधि तुलेश सिंगौर प्रधानपाठक संतोषी यादव, शिक्षिका अंजू जैन, प्रेमलता चंद्राकर, गीता चतुर्वेदानी, निर्मला साहू एवं शाला के बच्चे के साथ जन्मदिवस मनाया गया।

प्राथमिक शाला का भवन का दो रूम जर्जर, दो रूम में पांच कक्षा और कार्यालय

पाटन। पाटन विकासखंड के ग्राम पंचायत औरी भाटागांव के आश्रित ग्राम बड़े औरी में इन दोनों बच्चों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर प्राथमिक शाला के भवन है। जिनमें से दो कक्ष इतनी जर्जर हो चुके हैं कि उसे अब बच्चों के लिए नहीं खोला जा रहा है। ऐसे में यहां पर कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के बच्चों के लिए सिर्फदो रूम ही मिल पा रहा है। वही इन्हीं दो रूम के बीच में शिक्षकों को स्टाफ कार्यालय भी बनाना पड़ा है। ऐसे में बच्चों को पढ़ाई करने में दिक्कत होने लगी है। ग्राम पंचायत औरी भाटागांव के सरपंच श्रीमती कालिंद्री गजेंद्र मानिकपुरी ने बताया कि स्कूल भवन जर्जर होने के कारण जो नए भवन है उसमें अभी पढ़ाई चल रही है। यहां पर भी पर्याप्त कमरा नहीं होने के कारण कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के बच्चों को सिर्फदो कमरे में ही बैठकर पढ़ाई करना पड़ रहा है। इसके अलावा यहीं पर ही बालवाड़ी का भी संचालन किया जाता है । जिसमें छोटे-छोटे बच्चे आते हैं ऐसे में यहां पर स्कूल भवन की आवश्यकता काफी जरूरी है। इस संबंध में सरपंच श्रीमती कालिंद्री गजेंद्र मानिकपुरी ने ग्राम बटंग में शाला प्रवेशोत्सव शामिल होने आए सांसद विजय बघेल को मांग पत्र देते हुए जल्द से जल्द स्कूल भवन में नए कक्षा बनवाने की मांग की है जिससे कि बच्चों को राहत मिल सके।

दुर्ग की दामिनी साहू को मिलेगा समाज सेवा शिरोमणि पुरस्कार

राजनांदगांव। सामाजिक सरोकारों में सक्रिय दुर्ग की दामिनी साहू को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। उन्हें श्समाज सेवा शिरोमणि पुरस्कार से 28 जून 2025 को मुंबई में सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें अखिल भारतीय प्रतिभा प्रेरणा महोत्सव 2025 के दौरान भारत रत्न लता मंगेशकर नाट्यगृह, भायंदर (मुंबई) में प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार उन्हें ग्रामीण नेतृत्व, महिला स्व सहायता समूहों के गठन, बाल अधिकारों की पैरवी, किसान संगठनों की स्थापना और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया जा रहा है। पुरस्कार की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीमती साहू ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए नहीं, बल्कि उन हजारों ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं के लिए है, जिन्होंने आत्मनिर्भरता और परिवर्तन की राह अपनाई है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख संयोजक एडमिरल क्रांति महाजन के स्वागत भाषण से होगा, जो इस आयोजन को श्भारत की चेतना का उत्सव के रूप में परिभाषित करेंगे। महोत्सव में समाज सेवा, शिक्षा, पर्यावरण, नारी सशक्तिकरण और सांस्कृतिक चेतना पर आधारित पुस्तकों का विमोचन और वितरण भी किया जाएगा। यह पुस्तकें विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाजसेवियों को भेंट की जाएंगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में महाराष्ट्र की लावणी, छत्तीसगढ़ का पंथी, असम का बिहू, राजस्थान का घूमर, उत्तराखंड का झोड़ा और कर्नाटक का यक्षगान प्रमुख आकर्षण होंगे। ये प्रस्तुतियां देश की सांस्कृतिक विविधता और एकता को जीवंत रूप में दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेंगी। कार्यक्रम में देशभर से साहित्यकार, शिक्षाविद्, कलाकार, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। समापन जन गण मन के साथ किया जाएगा, जो आयोजन को राष्ट्रीय एकता और सामाजिक चेतना के संकल्प के साथ विराम देगा।

जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान महासमुंद में नवीन पाठ्य पुस्तकों पर आधारित छः दिवसीय प्रशिक्षण

महासमुंद (समय दर्शन)। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान महासमुंद में महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना, सराईपाली से 45 बीआरजी का प्रशिक्षण चल रहा है। प्रशिक्षण के शुभारम्भ में डाइट प्राचार्य मीना पाणीग्रही, अरुण प्रधान, राजेश चंद्राकर, किरन कनौजे, के के सिंग, ईश्वर चंद्राकर, संतोष साहू एवं अन्य डाइट फेकल्टी मौजूद रहे।यह प्रशिक्षण प्राथमिक विद्यालयों की नई पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है। इस साल पहली, दूसरी और तीसरी कक्षा की किताबों में बदलाव किया गया है। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर फाउंडेशन स्टेज के सुझावों के आधार पर किया गया है इन बदलावों को शिक्षकों तक पहुंचाने के लिए मास्टर ट्रेनर शरण दास, अशोक पटेल, गीता साहू, शीला विश्वास, दुलारी चंद्राकर के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति, भाषा और गणित के चार ब्लॉक, सीखने के तरीके, पाठ्यक्रम और अभ्यास पुस्तिका पर काम करने की समझ दी गई। गणित की अवधारणाओं को ईएलपीएस के माध्यम से समझाया गया। डाइट प्राचार्य मीना पाणीग्रहि ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम में नए आयाम जोड़े गए हैं। इसमें कला, खेल, योग और व्यायाम को भी शामिल किया गया है। इनके लिए अलग पाठ्यपुस्तकें तैयार की गई हैं, जो बच्चों को रोचक लगेंगी। सहायक प्रध्यापक अरुण प्रधान ने बताया कि भाषा और गणित की किताबों में कला, उत्सव और संस्कृति को जोड़ा गया है। बच्चों के आसपास की चीजों और गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। इससे बच्चों में कल्पना, जिज्ञासा और रुचि बढ़ेगी। यह उनके शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक विकास में मदद करेगा।प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बी आर जी रिंकल बग्गा, डिजेन्द्र कुर्रे, गजेन्द्र नायक, वारिश कुमार, पुष्कर पटेल, सालिक राम टंडन, विद्याधर साव, टूकेश्वर साहू, ललित साहू, नीरज, गोपाल साहू, खेमिन साहू, शंकर सिदार, मनोहर चौहान एवं अन्य प्रशिक्षु के द्वारा उत्कृष्ट प्रशिक्षण हेतु बधाई प्रेषित किये है।

ग्राम सपोस में धरती-आबा अभियान के तहत जागरूकता एवं लाभार्थी शिविर आयोजित

- हितग्राहियों को मिला शासकीय योजना का लाभ

साँकरा (समय दर्शन)। धरती-आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत सपोस में आज जागरूकता एवं लाभ शिविर का आयोजन किया गया। यह अभियान जनजातीय समुदायों को उनके संवैधानिक अधिकारों, शासकीय योजनाओं तथा कल्याणकारी लाभों की जानकारी देने और इन योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज को सशक्त बनाना तथा उन्हें योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुए भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

सपोस शिविर में 78 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। जिसमें 05 पात्र लोगों के आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए, जिससे उन्हें अब नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। राशन कार्ड हेतु 04 आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही जाति प्रमाण पत्र के लिए 19 और निवास प्रमाण पत्र हेतु 17 व्यक्तियों ने आवेदन जमा किया। वहीं पीएम किसान सम्मान निधि के लिए 02 कृषकों ने आवेदन किया। 05 लोगों का आधार कार्ड के लिए पंजीयन किया गया तथा 04 हितग्राहियों का जनधन खाता खोला गया। पीएम मातृत्व वंदन योजना के तहत 01 गर्भवती महिला का पंजीयन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 21 लोगों का सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं काउंसलिंग किया गया। शिविर में ग्रामीणों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। शिविर स्थल में बनाई गई सेल्फी प्वाइंट पर स्कूली बच्चों एवं हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक अपनी फोटो खिचवाई।

शिविर में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जहां जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में विभिन्न विभागों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में ग्रामीणों को दस्तावेजी सेवाओं के साथ-साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा इन योजनाओं के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया में उन्हें मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। शिविर को सफल बनाने में स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायत तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

फुंडा में नेत्र जांच शिविर, 40 मरीजों का किया स्वास्थ्य जांच

बलराम यादव

पाटन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग पाटन द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर फुंडा में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जहां पर नेत्र सहायक अधिकारी योग्या बंडी के द्वारा 40 मरीजो का नेत्र जांच किया गया जिसमें 6 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए जिला चिकित्सालय दुर्ग रेफर किये गए तथा 10 मरीज आंखों के अन्य संक्रमण के तथा 20 मरीज रिफ्रैक्टिव एरर के पाए गए सभी मरीजो को नेत्र सहायक अधिकारी योग्या बंडी द्वारा उचित जांच एवं परामर्श दिया गया एवं सभी मरीजों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही अच्छे सेहत एवं अंधत्व से बचाव के लिए गाजर ,पपीता ,पालक ,मुनगा भाजी एवंअन्य हरि पत्तेदार सब्जियों तथा संतुलित आहार को प्रतिदिन अपने भोजन में शामिल करने आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा दिया गया । इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से आरएचओ बिष्णु देवांगन ,बसंत साहू सीएचओ नेहा भीमगज, मितानिन शकुन बघेल,मीना वर्मा, अनिता वर्मा एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

पिथौरा में प्रशासनिक उदासीनता और दबंगों से पीड़ित ग्रामीण ने मांगी इच्छा मृत्यु

पिथौरा (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के पिथौरा तहसील में प्रशासनिक उदासीनता, भ्रष्टाचार और दबंगों को कथित संरक्षण के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया है।

ग्राम रिखादादर के निवासी कैलाश प्रधान ने अपनी पैतृक जमीन पर अवैध कब्जे और दबंगों की प्रताड़ना से तंग आकर कलेक्टर महासमुंद को इच्छा मृत्यु की अनुमति के लिए आवेदन देकर क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। इस घटना ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, और ग्रामीणों में आक्रोश की लहर दौड़ पड़ी है।

कैलाश प्रधान का दर्द 10 साल से न्याय की गुहार,,,मिली सिर्फ निराशा,, ?

कैलाश प्रधान ने अपने आवेदन में मार्मिक शब्दों में अपनी पीड़ा व्यक्त की है। उन्होंने लिखा है-

मेरी पैतृक जमीन पर पिछले 10 वर्षों से दबंगों और कुछ परिजनों ने अवैध कब्जा कर रखा है। मैं और मेरा परिवार लगातार प्रताड़ित हो रहा है। तहसीलदार पिथौरा द्वारा सीमांकन कर मुझे जमीन पर काबिज कराया गया था, लेकिन दबंगों ने कानून को ठेंगा दिखाते हुए दोबारा कब्जा कर लिया। मैंने हर शासकीय कार्यालय में गुहार लगाई, लेकिन प्रशासन की निष्क्रियता और दबंगों की ताकत के आगे मेरी आवाज दब गई। अब जीने की इच्छा खत्म हो चुकी है, इसलिए इच्छा मृत्यु की अनुमति चाहता हूं।

अपना भी परायों के आस्तीन पर ? : कैलाश का यह कदम प्रशासन के कार्यों की पोल खोलता है, जो यह दर्शाता है कि आम नागरिक कितना असहाय और हताश महसूस कर रहा है।

यह ऐसा माजरा है, कि अपना भी परायों के आस्तीन में हो तो न्याय लोकतंत्र मे ही मिल सकता है ।

पिथौरा क्षेत्र में कैलाश जैसे कई पीड़ित हैं, जिनकी शिकायतें तहसील कार्यालय में धूल फांक रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि राजस्व निरीक्षक और तहसील कर्मचारी दबंगों के साथ मिलीभगत कर उनकी शिकायतों को दबा देते हैं।

भ्रष्टाचार की जड़ें कहाँ तक ? : ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि, कुछ अधिकारियों की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार के कारण दबंग बेख़ौफ़ होकर उत्पात मचा रहे हैं।हाल ही में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया था, जिसमें पिथौरा तहसील के कानूनगो शाखा के सहायक ग्रेड-2 को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 25,000 रुपये की रिश्वत और एक बकरे की मांग करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

यह घटना प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार की गहरी जड़ों को उजागर करती है।

लंबित शिकायतें और टूटी उम्मीदें : पिथौरा तहसील में दर्जनों शिकायतें वर्षों से लंबित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें टालते रहते हैं। कई पीड़ितों ने बताया कि वे बार-बार कार्यालयों के चक्कर काटने के बाद भी खाली हाथ लौटते हैं। इस स्थिति ने न केवल दबंगों का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि आम लोगों का प्रशासन से विश्वास भी उठ गया है।

स्थानीय प्रशासन की चुप्पी, कलेक्टर पर **टिकी निगाहें :** कैलाश प्रधान के आवेदन के बाद लोग अब कलेक्टर से इस मामले में हस्तक्षेप और ठोस कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। यदि प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो यह आंदोलन और बड़ा रूप ले सकता है।

खाद की कमी, कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्यों ने लगाए सरकार विरोधी नारे, समितियों में खाद उपलब्ध कराने की मांग रखी

पाटन। जनपद पंचायत की सामान्य सभा की बैठक के बाद आज जब बैठक समाप्त हुआ उसके बाद कांग्रेस समर्थक जनपद सदस्यों ने सभागार के बाहर काफी जमकर नारेबाजी भी की। जनपद सदस्यों का कहना था कि खेती का समय है और अभी किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। सेवा सहकारी समितियां में किसानों के मांग के अनुरूप खाद का भंडारण नहीं होने से किसान खाद लेने के लिए भटक रहे हैं। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने मांग किया कि सरकार जल्द से जल्द किसानों को खाद उपलब्ध कराएं इस दौरान प्रमुख रूप से विधायक प्रतिनिधि जवाहर वर्मा, जनपद सदस्य रश्मि वर्मा, उर्वशी वर्मा, आनंद बघेल, दिनेश साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, भेद प्रकाश वर्मा, विजय जैन सहित अन्य मौजूद रहे।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर फूटा आक्रोशः डॉ सम्पत अग्रवाल बोले-लोकतंत्र की आत्मा को कांग्रेस ने कैद किया

- विधायक अग्रवाल का तीखा वार,कांग्रेस की सत्ता की भूख ने संविधान को जेल में डालने का काम किया
- कांग्रेस की आपातकालीन तानाशाही को कभी माफ़ नहीं किया जाएगा : डॉ संपत अग्रवाल

बसना (समय दर्शन)। काँग्रेस द्वारा प्रायोजित आपात काल कोई साधारण तारीख नहीं थी, यह भारतीय लोकतंत्र की छाती पर एक काला धब्बा है। बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल की यह गूंजती हुई आवाज़ उस आक्रोश का प्रतीक बनी जब उन्होंने आपातकाल की 50वीं बरसी पर कांग्रेस पर करारा हमला बोला। उनका कहना था कि 25 जून 1975 की रात को इंदिरा गांधी की सत्ता की लालसा ने न केवल संविधान को झुका दिया, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र को गिरवी रख दिया गया।

भारत की आत्मा को कैद किया गया: विधायक डॉ अग्रवाल की तीखी चेतावनी- विधायक डॉ अग्रवाल ने सख्त लहजे में कहा कि उस काली रात को केवल विरोधी नेता ही नहीं, सच्चाई, अभिव्यक्ति, और न्याय तक को सलाखों के पीछे डाल दिया गया।उनका आरोप था कि मीडिया को चुप करवा दिया गया, न्यायपालिका को पंगु बना दिया गया और विपक्षी नेताओं को लोकतंत्र का दुश्मन घोषित कर जेलों में ठूंसा गया।

इंडिया इज़ इंदिरा, इंदिरा इज़ इंडिया-यह नारा नहीं, यह लोकतंत्र के शव पर बोला गया राजनीतिक हथौड़ा था।

मीसा के साए में कैद देशभक्ति- विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा कि मीसा (Maintenance of ढ्ढठ्ठह्लद्गह्म्ठ्ठड्डद्य स्द्गष्ह्वह्म्द्बह्ल4 ्रष्ह्ल) के तहत 1,40,000 से अधिक देशभक्तों को बंदी बनाया गया, जिनका अपराध सिर्फ इतना था कि उन्होंने सत्ता के खिलाफ़ अपनी आवाज़ उठाई। कांग्रेस का अतीत तानाशाही और दमन का दस्तावेज़ है, जिसे अब युवा पीढ़ी के सामने लाना होगा।

भाजपा का ऐलानःइतिहास को दोहराने नहीं देंगे- इस अवसर पर भाजपा ने स्पष्ट संदेश दिया कि वह आपातकाल जैसी स्थिति को दोबारा जन्म नहीं लेने देगी। विधायक डॉ संपत अग्रवाल में कहा कि अब यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अगली पीढ़ी को बताएं कि लोकतंत्र की नींव किन संघर्षों की बदौलत खड़ी हुई है। विधायक डॉ अग्रवाल ने चेतावनी दी कि जो इतिहास से नहीं सीखते, उनके लिए इतिहास सज़ा बन जाता है।

नोटबंदी, त्रस्ज्ञ और कोरोना के बाद का भारत-एक बदला हुआ लोकतंत्र- विधायक डॉ अग्रवाल ने वर्तमान भारत का जिक्र करते हुए कहा कि अब जनता ज़्यादा जागरूक है, सूचना के माध्यम और मजबूत हुए हैं और लोकतांत्रिक चेतना पहले से कहीं अधिक सशक्त हो चुकी है। विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा अब जनता सवाल पूछती है और जवाब मांगती है, और यही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27